हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
BCN GROUP
RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, सोमवार, 17 फरवरी 2025 | अंक 126/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
• डॉ. श्री बालाजी तांबे (संतुलन आयुर्वेदिक)
• श्री स्वागत तोडकर • तन्वी हर्बल क्लिनिक
इनकी दवाईयाँ उपलब्ध तथा Dr. B.A.M.S., M.D.
अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
------ विशेष उपचार ------
वात, जोड़ों का दर्द, सुजन, लखवा, नसों में अकडन, हड्डीयों मे (Fluid Liquid) कम हो जाना, डायबिटीज से परेशान, B.P. (Heart) . पेट कि समस्या, पाईल्स, बालों की समस्या, समस्त स्त्री रोग, आदि सभी जटील रोगों पर विशेष उपचार।
नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
सभी प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कम्पनियो की दवाईयाँ तथा सभी प्रकारकी काष्ट औषधिया, दिव्य वनौषधी, जडीबुटीयाँ तथा उनके पावडर मिलने का विश्वपनिय स्थान।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पत्नी के साथ प्रयागराज संगम पर स्नान करने के बाद मीडिया से बातचीत की. “गंगा स्नान और दर्शन पूजा बहुत अच्छी रही। हमारे नागपुर शहर से हजारों लोग अपने वाहनों से यहां आ रहे हैं। हमें लगता है कि मां गंगा का आशीर्वाद सभी को मिलेगा।”

प्लेटफॉर्म बदलने से मची भगदड़...

नई दिल्ली.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं करीब एक दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हो गए. इस घटना से हड़कंप मच गया. इस घटना की रेल मंत्रालय ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है. इस बीच हादसे को लेकर रेल मंत्रालय की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आई है. रेलवे ने माना प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा की गई थी. रिपोर्ट के मुताबिक महाकुंभ के लिए अप्रत्याशित भीड़ आ रही है.

इसलिए कई स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था पिछले कई दिनों से की गई है. कल 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दुखद घटना घटी. रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रयागराज एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म 14 पर आने वाली थी. महाकुंभ जाने के लिए यात्री प्लेटफॉर्मपर इंतजार कर रहे थे. गाड़ी आने में अभी कुछ देरी थी. इसी बीच प्लेटफॉर्म 12 पर स्पेशल ट्रेन की घोषणा हुई. इसी दौरान प्लेटफॉर्म 14 सेयात्री प्लेटफॉर्म 12 की तरफ जाने लगे. इससे सीढ़ियों पर भगदड़ मची और दर्दनाक हादसा हुआ. उच्च स्तरीय जांच के आदेश इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना पर दुख जताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया था. उन्होंने कहा था कि रेलवे द्वारा उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए है.

बताया जा रहा है कि हादसे की जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी बनाई गई है जो इसकी जांच कर रही है. मरने वालों में ज्यादार महिलाएं और बच्चे शामिल हादसा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 16 पर हुआ. मरने वालों में ज्यादातर लोग बिहार और दिल्ली के रहने वाले हैं. बिहार के 9, दिल्ली के 8 और हरियाणा के 1 व्यक्ति की मौत हुई है. इनमें ज्यादार महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. वहीं नॉर्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने हादसे की प्रारंभिक वजह बताई है. उन्होंने कहा कि जिस समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यह दुखद घटना घटी उस समय प्लेटफार्म नंबर 14 पर पटना की ओर जाने वाली मगध एक्सप्रेस और प्लेटफार्म नंबर 15 पर जम्मू की ओर जाने वाली उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस खड़ी थी. इसी दौरान 14 और 15 नंबर प्लेटफार्म के बीच सीढ़ियों पर यात्री के फिसल कर गिरने से पीछे के कई यात्री उनके चपेट में आ गए और यह दुखद घटना घटित हुई.

राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मूः "नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ. मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं."

प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात हुई भगदड़ में मरने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट कर घायलों के जल्द ही स्वस्थ होने की प्रर्थना की है.

राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा है, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कई लोगों की मृत्यु और कईयों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है. शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं.'

घायलों को हर संभव उपचार दिया जा रहा है: अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हादसे पर दुख जाहिर करते हुए कहा कि घायलों को हर संभव उपचार दिया जा रहा है. केंद्रीय गृह ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थन भी की है.

सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

भारतीय रेलवे ने इस भगदड़ में जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया है. साथ ही गंभीर रूप से घायल लोगों को 2.5-2.5 लाख रुपये और मामूली घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी. इससे पहले रेलवे ने इस घटना की जांच के लिए दो सदस्यीय टीम का गठन कर दिया है. इस जांच टीम में उत्तरी रेलवे के प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजेर नरसिंह देव और उत्तर रेलवे के मुख्य सुरक्षा आयुक्त पंकज गंगवार हैं. इस टीम ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 13, 14, 15, 16 का दौरा किया और सबूत जुटाए. इसके साथ ही रेलवे के अधिकारियों से जानकारी ली और उन्हें रेलवे स्टेश से जुड़े सभी वीडियो फुटेज सुरक्षित रखने के भी निर्देश दिए.

मस्क ने भारतीय चुनावों के लिए अमेरिकी फंडिंग रोकी

वाशिंगटन डीसी/नई दिल्ली.

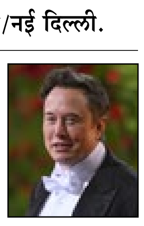

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी एलन मस्क ने भारतीय चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 182 करोड़ रुपये का फंड रद्द कर दिया है। मस्क की अध्यक्षता वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने शनिवार को यह निर्णय लिया। डीओजीई ने एक्स पर पोस्ट कर एक लिस्ट प्रकाशित की है. इसमें विभाग द्वारा रद्द किये गये सभी प्रकार के खर्च शामिल हैं. सूची में भारत में मतदाता भागीदारी के लिए धनराशि भी शामिल है। डीओजीई ने लिखा कि ये सभी खर्च, जिनका भुगतान अमेरिकी करदाताओं द्वारा किया गया था, रद्द कर दिया गया है। बीजेपी ने चुनाव में मिले फंड पर उठाए सवाल डीओजीई के फैसले पर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने प्रतिक्रिया दी है. इसमें उन्होंने भारतीय चुनावों में 182 करोड़ रुपये की फंडिंग पर सवाल उठाए. मालवीय ने इसे भारत के चुनाव में बाहरी हस्तक्षेप बताया. मालवीय ने सवाल उठाया कि इस फंड से किसे फायदा होगा. बीजेपी नेताओं ने कहा कि इससे निश्चित तौर पर सत्तारूढ़ पार्टी (बीजेपी) को कोई फायदा नहीं होगा.

भारत-ओमान ने व्यापार और निवेश में लिया नया संकल्प

विदेश मंत्री जयशंकर और अलबुसैदी में हुई वार्ता

मस्कट.

भारत और ओमान के बीच दोस्ती अब एक नए मुकाम पर पहुंचने वाली है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने ओमान के समकक्ष बद्र अलबुसैदी के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा सुरक्षा में द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की है। इससे दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में बड़े समझौते किए जाने पर सहमति बनने के आसार हैं। बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर आठवें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ओमान की राजधानी मस्कट पहुंचे हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट

किया, ''आज सुबह ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से मिलकर बहुत खुशी हुई। (मैं) आठवें हिंद महासागर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने में उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना करता हूं।'' उन्होंने लिखा, ''व्यापार, निवेश और ऊर्जा पर परस्पर सहयोग पर हमने व्यापक चर्चा की।''

भारत-ओमान संबंधों के 70 साल पूरे

बता दें कि भारत और ओमान के राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे हो गए हैं। ऐसे में दोनों नेताओं ने राजनयिक संबंधों की 70 वीं वर्षगांठ पर संयुक्त रूप से प्रतीक चिह्न जारी किया। उन्होंने 'मांडवी टू मस्कट: इंडियन कम्युनिटी एंड शेयर्ड हिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड ओमान' नामक एक पुस्तक का भी संयुक्त रूप से विमोचन किया। ओमान सरकार का कहना है कि अगस्त 2024 में उसके देश में रह रहे भारतीयों की संख्या करीब 664,783 है।

पाकिस्तान ने फिर की नापाक हरकत

एलओसी पर भारतीय चौकियों को निशाना बनाकर की फायरिंग

श्रीनगर.

पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक हरकत की है और बॉर्डर पर भारतीय चौकियों को निशाना बनाकर फायरिंग की है। एक सेना अधिकारी ने बताया, 'आज सुबह लगभग 11 बजे, पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पार अपनी (भारतीय) चौकी पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना की ओर से गोलीबारी का उचित जवाब दिया गया।

अपने पक्ष में कोई हताहत नहीं हुआ है।' हालही में एलओसी के पास हुआ था धमाका, हालही में जम्मू सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए विस्फोट में सेना के दो जवानों शहीद हो गए थे और 1 जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। अधिकारियों ने बताया था कि मंगलवार को यहां अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुए भीषण विस्फोट में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। उन्होंने बताया था कि सैनिक गश्त कर रहे थे, तभी भट्टल इलाके में विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि विस्फोट एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के कारण हुआ, जिसके बारे में माना जा रहा है कि इसे संदिग्ध आतंकवादियों ने लगाया था। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने कहा, 'सेना ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है और तलाशी अभियान जारी है। अखनूर सेक्टर के लालेली में बाड़ के पास गश्त के दौरान संदिग्ध आईईडी विस्फोट की सूचना मिला, जिसके परिणामस्वरूप दो जवान शहीद हो गए। हमारे सैनिकों ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है और तलाशी अभियान जारी है। व्हाइट नाइट कॉर्प्स दो वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता है और श्रद्धांजलि देता है।'

बड़े हमले करना चाहता था इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन

संयुक्त राष्ट्र. खूंखार आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट भारत में बड़े पैमाने पर हमले करना चाहता था, मगर मोदी सरकार की चौकसी के चलते वह ऐसा करने में असमर्थ रहा, लेकिन इसके आकाओं ने देश में स्थित समर्थकों के माध्यम से 'लोन ऐक्टर' हमलों को अंजाम देने का प्रयास किया। यह सनसनीखेज रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र ने दी है। 'लोन ऐक्टर हमले' विचारधारा से प्रेरित हिंसा की घटनाएं होती है, जिसे ऐसे व्यक्तियों द्वारा अंजाम दिया जाता है, जो संगठित आतंकवादी समूहों का हिस्सा नहीं होते हैं या दूसरों के प्रत्यक्ष आदेशों का पालन नहीं करते हैं।

श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण प्रयागराज में 'महाजाम'

स्कूल तक किये गए बंद

प्रयागराज. महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज आनेवाले श्रद्धालुओं को एक बार फिर से जाम का सामना करना पड़ रहा है. एक बार फिर प्रयागराज में ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है. रविवार के दिन शहर में भीषण जाम देखने को मिला. शहर की कई सड़कों पर गाड़ियों कई घंटों से एक ही जगह रुकी हुई हैं. जानकारी के अनुसार मेडिकल चौराहे से बालसन, बैरहना से बालसन, और सोबतियाबाग़ से दरभंगा चौराहे पर लंबा जाम लगा है.

सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें इस हद तक बढ़ चुकी हैं कि गाड़ियां रेंगते हुए चल रही हैं. जाम के कार 15 मिनट की दूरी दो से ढाई घंटे में तय किया जा रहा है. जाम की समस्या से निपटने के लिए सेना के जवानों की मदद ली जा रही है. 8वीं तक के स्कूल बंद, प्रयागराज में जाम की समस्या को देखते हुए शहर के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है. प्रशासन के आदेश के अनुसार 1 से लेकर 8वीं कक्षा तक के स्कूल 20 फरवरी तक बंद रहेंगे.

इस दौरान बच्चों की ऑनलाइन क्लास ली जाएंगी. बता दें कि विश्व के सबसे बड़े धार्मिक सांस्कृतिक समागम 'महाकुंभ 2025' ने दुनिया को अचंभित कर रखा है.

ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने के लिए सड़क पर उतरे सेना के जवान. पिछले 3 से 4 घंटों से सड़क पर लगा भीषण जाम. श्रद्धालुओं की हालत इस हद तक खराब हो गई है कि वे गाड़ी चलाते-चलाते थक चुके हैं. पिछले हफ्ते भी इसी तरह का जाम प्रयागराज में देखने को मिला था. श्रद्धालुओं 15 से 16 घंटे तक जाम में फंसे रहे थे.वहीं एक बार फिर वीकेंड में जाम देखने को मिल रहा है.

फालतू का है कुंभ, इसका कोई मतलब नहीं: लालू

पटना. आरजेडी चीफ और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने महाकुंभ को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि फालतू का है कुंभ, इसका कोई मतलब नहीं है. वहीं, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसे पर उन्होंने कहा कि दुखद घटना घटी है. हम मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं. रेलवे की गलती है. रेलवे की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है. यह रेलवे का फेल्योर है. रेल मंत्री को जिम्मेदारी लेनी चाहिए.

हिंदू समाज देश का जिम्मेदार समाज

इसमें एकता जरूरी है: मोहन भागवत

कोलकाता.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि हिंदू समाज का मानना है कि एकता में ही विविधता समाहित है। बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'लोग अकसर पूछते हैं कि हम केवल हिंदू समाज पर ही ध्यान क्यों देते हैं, और मेरा जवाब है कि देश का जिम्मेदार समाज हिंदू समाज है।' लोग संघ के बारे में नहीं जानते- भागवत ने कहा, 'आज कोई विशेष कार्यक्रम नहीं है। जो लोग संघ के बारे में नहीं जानते, वे अकसर सवाल करते हैं कि संघ क्या चाहता है। अगर मुझे जवाब देना होता, तो मैं कहता कि संघ हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है, क्योंकि यह देश का जिम्मेदार समाज है।' लोग संघ के बारे में नहीं जानते भागवत ने कहा, 'आज कोई विशेष कार्यक्रम नहीं है। जो लोग संघ के बारे में नहीं जानते, वे अकसर सवाल करते हैं कि संघ क्या चाहता है। अगर मुझे जवाब देना होता, तो मैं कहता कि संघ हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है, क्योंकि यह देश का जिम्मेदार समाज है।' विविधता ही एकता है उन्होंने कहा, 'भारत केवल भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं जी सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया।

लेकिन जो लोग यहां रहे उन्होंने स्वाभाविक रूप से भारत के मूल तत्व को अपना लिया और यह मूल तत्व क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज का मानना है कि विविधता ही एकता है।' संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि अपने पिता का वचन पूरा करने के उद्देश्य से 14 साल के लिए वनवास जाने वाले राजा (भगवान राम) और उस व्यक्ति (भरत) को याद रखता है जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रख दीं, और वनवास से लौटने पर राज्य उसे राज सौंप दिया।

समाज को राष्ट्र की सेवा के लिए आगे रहना चाहिए

उन्होंने कहा, 'ये विशेषताएं भारत को परिभाषित करती हैं। जो लोग इन मूल्यों का पालन करते हैं, वे हिंदू हैं और वे पूरे देश की विविधता को एकजुट रखते हैं। हम ऐसे कार्यों में शामिल नहीं होते जो दूसरों को आहत करते हों। शासक, प्रशासक और महापुरुष अपना काम करते हैं, लेकिन समाज को राष्ट्र की सेवा के लिए आगे रहना चाहिए।'

एकजुट और संगठित करने की जरूरत

हिंदुओं के बीच एकता की आवश्यकता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है। समस्याओं की प्रकृति क्या है इसके बजाए यह महत्व रखता है कि हम उनका सामना करने के लिए कितने तैयार हैं।'

हमने जो बीज रोपा था, वो आज वट वृक्ष बनने की राह पर: पीएम मोदी

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2025 में भाग लिया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत मंडपम में जो बीज हमने बोया था, वह अब वटवृक्ष बनने की राह पर है. भारत टेक्स अब एक मेगा ग्लोबल टेक्सटाइल इवेंट बन चुका है, जो उद्योग जगत के नेताओं के लिए साझेदारी और सहयोग का मंच प्रदान कर रहा है.

यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्थानीय से वैश्विक बनने का अवसर मिल रहा है. प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत टेक्स एक प्रमुख वैश्विक आयोजन बन गया है, जिसमें 120 से अधिक देश भाग ले रहे हैं. उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र से कपड़ा उद्योग को सहायता प्रदान करने का आग्रह किया, क्योंकि केवल 75 करोड़ रुपये के निवेश से 2,000 लोगों को रोजगार मिल सकता है.

नौ लाख करोड़ तक निर्यात का रखा लक्ष्य प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि पिछले वर्ष भारत के वस्त्र और परिधान निर्यात में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. वर्तमान में, भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है, और हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे मौजूदा तीन लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नौ लाख करोड़ रुपये करना है. उन्होंने यह भी कहा कि हमारा ध्यान तकनीकी वस्त्र क्षेत्र पर है, और भारत इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है.

दिल्ली में कौन होगा सीएम?

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है, लेकिन सीएम पद को लेकर अभी तक सस्पेंस बना हुआ है. अब दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर बना सस्पेंस खत्म होने वाला है. सूत्रों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक सोमवार को दोपहर 3 बजे बुलाई गई है. बैठक में बीजेपी के दिल्ली के सभी विधायक और दिल्ली के बीजेपी के सातों सांसद मौजूद रहेंगे. इस बैठक में विधायक दल के नेता का चयन किया जा सकता है और सीएम पद पर बना सस्पेंस खत्म हो सकता है. विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद बीजेपी सोमवार को ही उपराज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है.

CMYK

ईडी की पीएमएलए के तहत बड़ी कार्रवाई

> 1646 करोड़ सबसे बड़े क्रिप्टो फंड को किया जब्त

नई दिल्ली.

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन जांच के तहत अब तक का सबसे बड़ा क्रिप्टो फंड जब्त किया है, जिसकी कीमत 1,646 करोड़ रुपये है। सुरक्षित निवेश के नाम पर कई जमाकर्ताओं को धोखा दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय जांच एजेंसी के अहमदाबाद कार्यालय ने शनिवार को 'बिटकनेक्ट लेंडिंग प्रोग्राम' के तहत धोखाधड़ी के मामले में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद 13.50 लाख रुपये नकद, एक एसयूवी कार और कई डिजिटल उपकरण (जैसे मोबाइल और कंप्यूटर) जब्त किए हैं। बिटकनेक्ट लेंडिंग प्रोग्राम बिना पंजीकरण के चल रहा था, जिसमें सिक्योरिटी की बिक्री और निवेश में धोखाधड़ी की गई।

दरअसल, सूरत पुलिस की अपराध शाखा ने धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि नोटबंदी के बाद नवंबर 2016 से जनवरी 2018 के बीच यह धोखधड़ी की गई। इसी प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। जांच में यह भी सामने आया कि बिटकनेक्ट के संस्थापक ने प्रमोटर्स का एक वैश्विक नेटवर्क बनाया हुआ था और उन्हें उनके प्रचार के लिए कमीशन दिया जाता था। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बिटकनेक्ट ने दावा किया वह एक वोलैटिलिटी सॉफ्टवेयर ट्रेडिंग बोट (एक प्रकार का कंप्यूटर प्रोग्राम, जो बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का विश्लेषण करता है और निवेशकों के पैसे का इस्तेमाल करके ट्रेडिंग करता है) का उपयोग करके निवेशकों के फंड से 40 फीसदी तक मासिक रिटर् हासिल करेगा।

क्रिप्टो वॉलेट में किए गए लेन-देन का किया विश्लेषण

इसके बाद ईडी ने अपनी टीम के तकनीकी विशेषज्ञों को तैनात किया, जिन्होंने क्रिप्टो वॉलेट में किए गए लेन-देन का विश्लेषण किया और इन वॉलेट के मूल और उनको चलाने वालों का पता लगाया। पाया गया कि कई लेन-देन डॉर्क वेब के जरिए किए गए थे, ताकि इन्हें आसानी ट्रैक न किया जा सके।

रेल विकास निगम को लगा बड़ा झटका

> तिमाही नतीजों में प्रॉफिट 13 फीसदी लुढ़का

नई दिल्ली.

इंडियन रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार देने वाली कंपनी रेल विकास निगम में बैक गियर लग गया है. यह कंपनी लगातार पीछे जा रही है. 31 दिसंबर को खत्म हुई तिमाही में भी रेल विकास निगम लिमिटेड को जोर का झटका लगा है. कंपनी के मुनाफे में 13 फीसदी की गिरावट आ गई है. कंपनी को मात्र 311 करोड़ 58 लाख रुपये का मुनाफा हुआ है. पिछले साल इसी दौरान 358.57 करोड़ रुपये का मुनाफा रेल विकास निगम को हुआ था. रेलवे के इस पीएसयू को 31 दिसंबर को खत्म हुई तिमाही में 4567 करोड़ रुपये की आमदनी हुई. जो पिछले साल इसी दौरान हुए 4689 करोड़ से कम था. रेल विकास निगम ने 14 फरवरी यानी शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद दिसंबर तिमाही के नतीजों का एलान किया. कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इन नतीजों की जानकारी दी.

अगले हफ्ते शेयर बाजार में आएगा पैसों का तूफान

नई दिल्ली.

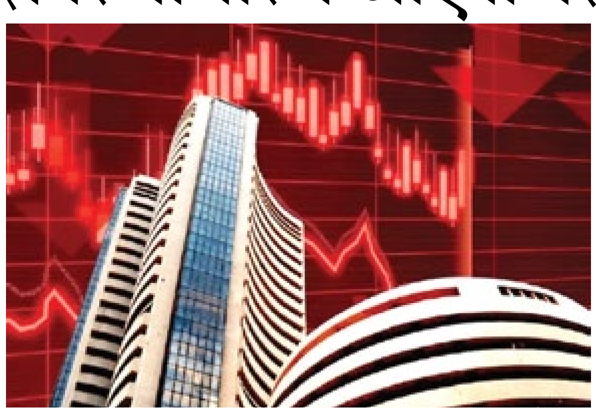

अगले शेयर बाजार निवेशकों को आईपीओ से ज्यादा कंपनियों की लिस्टिंग का इंतजार है. उसका कारण भी है. सोमवार से शुरू हो रहे नए में सिर्फ दो ही आईपीओ शेयर बाजार में दस्तक देंगे. वहीं 11 कंपनियां सेकंडरी मार्केट में धमाका करने के लिए आ रही हैं. अगर बात पहले आईपीओ की करें तो एक मेनबोर्ड आईपीओ होगा और दूसरा एसएमई. एसएमई आईपीओ में बीजासन एक्सप्लोटेक है. जिसका आईपीओ सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आएगा. वहीं दूसरी ओर मेनबोर्ड आईपीओ एचपी टेलीकॉम इंडिया का है. जिसका सब्सक्रिप्शन गुरुवार से शुरू हो जाएगा.

इसके विपरीत सेकंडरी मार्केट में ज्यादा एक्शन देखने को मिलेगा. अगले पांच कारोबारी दिनों में कुल 11 कंपनियों का लिस्टिंग देखने को मिलेगी. जिन पर शेयर बाजार की चाल भी काफी कुछ डिपेंड करेगी. इस मौके पर अजाक्स इंजीनियरिंग, चंदन हेल्थकेयर, पीएसराज स्टील, हेक्सोवयर टेक्नोलॉजी, वोलर कार, मैक्सवोल्ट एनर्जी, एलके मेहता पॉलीमर, शनमुगा अस्पताल, क्वालिटी पॉवर, तेजस कार्गो, रॉयलार्क इलेक्ट्रोड्स कंपनियों की लिस्टिंग होने जा रही है.

बीजासन एक्सप्लोटेक लिमिटेड, विस्फोटक और विस्फोटक सामानों की एक विस्तृत चेन का निर्माण और सप्लाई करती है, की स्थापना अगस्त 2013 में हुई थी. इस कंपनी का आईपीओ अगले सप्ताह आ रहा है. आईपीओ ओपन होने की तारीख 21 फरवरी 2025 है, और 25 फरवरी 2025 को बंद होगी. बीजासन एक्सप्लोटेक आईपीओ 59.93 करोड़ का पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है और प्रत्येक का फेस वैल्यू 10 रुपए है. बीजासन एक्सप्लोटेक आईपीओ का प्राइस बैंड 165 से 175 रुपए प्रति शेयर है. इसके अलावा, बीजासन एक्सप्लोटेक आईपीओ एक एसएमई आईपीओ है क्योंकि यह बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने जा रहा है.

एफपीआई ने फरवरी में इक्विटी से 21,272 करोड़ निकाले

नई दिल्ली. अमेरिका की ओर से आयात पर शुल्क लगाये जाने के बाद बढ़े वैश्विक तनाव के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे निकालना जारी है। फरवरी महीने के पहले दो सप्ताह में ही एफपीआई ने 21,272 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। इससे पहले जनवरी महीने में एफपीआई की ओर से 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की गई थी। शेयर बाजार की डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में अब तक एफपीआई की ओर से की गई कुल निकासी करीब 99,299 करोड़ रुपये यानी करीब 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

12 लाख से अधिक आय पर कैसे लगेगा टैक्स

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने नए बजट में 12 लाख रुपये तक की आय पर कर राहत दी है। सरकार का दावा है कि अब 12 लाख रुपये वार्षिक यानी एक लाख रुपये हर महीने कमाने वालों को कोई कर नहीं देना होगा, लेकिन आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने कहा है कि सरकार केवल शब्द जाल में लोगों को बहलाने की कोशिश कर रही है। चड्ढा के अनुसार, 12 लाख रुपये से अधिक आय होने पर लोगों को अपनी पूरी आय पर टैक्स देना होगा। इस तरह इसे पूरी तरह आय कर में छूट नहीं कहा जा सकता।

शुक्रवार को एक बयान जारी कर चड्ढा ने कहा कि वित्त मंत्री ने तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल करके मिडिल क्लास को असली टैक्स मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। राघव चड्ढा ने स्पष्ट किया कि उनके बजट भाषण में कई महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। उन्होंने रेल यात्रियों की समस्याएं, मिडिल क्लास की खस्ता माली हालत, अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ और गिरते भारतीय रुपये पर अपनी बात संसद में रखी थी।

लेकिन वित्त मंत्री ने इन गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया और केवल उनके द्वारा टैक्स छूट को लेकर दिए गए एक उदाहरण पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें उन्होंने आयकर छूट के गणित को समझाने की कोशिश की थी।

इसके बाद चार लाख रुपये से आठ लाख रुपये तक पांच प्रतिशत, आठ लाख से 12 लाख रुपये तक पर 10 प्रतिशत, 12 लाख से 16 लाख पर 15 प्रतिशत, 16 लाख से 20 लाख रुपये तक पर 20 प्रतिशत, 20 लाख से 24 लाख रुपये तक पर 25 प्रतिशत और 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत का आयकर देना होता है।

खाद्य तेल की कीमतें एक साल में 39 फीसदी तक बढ़ीं

नई दिल्ली.

खाने वाले तेल की कीमतें एक बार फिर तेजी से बढ़ रही हैं। एक साल में इनके दाम 39 फीसदी तक बढ़ गए हैं। अगर यही रुझान रहा तो पिछले तीन महीने से तेजी से घट रही खुदरा महंगाई दर फिर बेपटरी हो सकती है। इससे विकास को बढ़ावा देने और रेपो दर में कटौती की आरबीआई की योजना को भी झटका लग सकता है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मूंगफली तेल के दाम 14 फरवरी, 2024 को 190 रुपये लीटर थे, जो अब 192 रुपये लीटर के पार पहुंच गया है। सरसो तेल का दाम इसी दौरान 136 से 169 रुपये लीटर हो गया है। यानी 24 फीसदी की बढ़त हुई है। वनस्पति तेल का भाव 21 प्रतिशत तेजी के साथ 151 रुपये लीटर हो गया है, जो एक साल पहले 125 रुपये लीटर बिक रहा था।

आंकड़े बताते हैं कि सोयातेल भी 19 फीसदी महंगा हुआ है। इसका दाम 122 से बढ़कर 145 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। सूरजमुखी तेल 27 फीसदी महंगा हुआ है। इसका दाम 123 से बढ़कर 156 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। सबसे अधिक 39 फीसदी की तेजी पाम तेल में आई है। एक साल पहले इसकी कीमत 99 रुपये लीटर थी, लेकिन अब यह 137 रुपये के पार हो गया है।पाम तेल महंगा होने से रोजाना उपयोग वाली वस्तुओं पर पड़ता है। एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पादों जैसे साबुन, शैंपू आदि को बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पाम तेल का उपयोग करती हैं। ऐसे में इसकी तेजी से इन वस्तुओं की महंगाई दर बढ़ जाती है। हाल में एफएमसीजी कंपनियों ने अपने उत्पादों की कीमतों में अच्छी खासी बढ़त भी की है।

एलन मस्क को लगा जोरदार झटका

नई दिल्ली.

दुनिया में पिछले कुछ सालों से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग तेजी से हो रहा है। इसी कड़ी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई सेक्टर की अमेरिकन कंपनी ओपनएआई के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने उद्योगपति एलन मस्क के कंपनी को 97.4 अरब डॉलर में खरीदने के प्रपोजल को सभी की सहमति से खारिज कर दिया गया है।मस्क के 2018 में बोर्ड से इस्तीफा देने के बाद से स्टार्टअप की दिशा को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मस्क ने लगभग एक साल पहले चैटजीपीटी-निर्माता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करवाई थी, जिसमें उन्होंने अनुबंध के उल्लंघन के लिए मुकदमा दायर किया था।

इसके बाद, सोमवार को मस्क, उनके एआई स्टार्टअप 'एक्सएआई' और निवेश कंपनियों के एक समूह ने ओपनएआई को नियंत्रित करने वाली गैर-लाभकारी संस्था को खरीदने के लिए बोली लगाने की घोषणा की। मस्क ने बाद में कहा कि चैटजीपीटी विनिर्माता ओपनएआई अगर खुद को लाभ के लिए कार्यरत कंपनी बनाने का विचार छोड़ देती है वह इसे खरीदने की अपनी पेशकश वापस ले लेंगे। मस्क के वकीलों ने बुधवार को कैलिफोर्निया की एक अदालत में दायर एक दस्तावेज में कहा है कि अगर ओपनएआई का बोर्ड यह तय करता है कि वह अपनी गैर-लाभकारी स्थिति को बनाए रखेगा और इसे लाभ के लिए कार्यरत कंपनी में बदलने की योजना को रोक देगा, तो मस्क अपनी बोली वापस ले लेंगे। वकीलों की ओर से कहा गया कि यदि कंपनी ऐसा नहीं करती है तो उसे अपनी संपत्तियों का सही मूल्य किसी बाहरी खरीदार से प्राप्त करना होगा।

नीता अंबानी का गवर्नर प्रशस्ति पत्र से सम्मान

वाशिंगटन. रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने समाज में असाधारण योगदान दिया है, जिसके लिए उन्हें हाल ही में अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य में सम्मानित किया गया. मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली ने नीता अंबानी को प्रतिष्ठित गवर्नर प्रशस्ति पत्र से नवाजा और उन्हें एक दूरदर्शी लीडर, दयालु परोपकारी, और सच्ची वैश्विक परिवर्तनकर्ता के रूप में सम्मानित किया. इस सम्मान से न केवल उनके व्यक्तिगत कार्यों की सराहना की गई, बल्कि यह भी दर्शाया गया कि उन्होंने किस प्रकार समाज के विभिन्न क्षेत्रों-जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, खेल, कला और संस्कृति- में प्रभावी योगदान दिया है. नीता अंबानी का काम न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुका है.

भारत को विकसित बनाने का तैयार किया रोडमैप : मांडविया

नई दिल्ली.

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि वह आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने के जरूरी बुनियादी ढांचे को विकसित करने से चूक गईं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है और उसे हासिल करने के लिए रोडमैप तैयार किया है। मांडविया ने 'ग्लोबल बिजनेस समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि अतीत में आर्थिक विकास के कई मौके आए, लेकिन देश तैयार नहीं था। इसके लिए उन्होंने उदाहरण दिया कि यह ऐसे ही है जैसे कोई यात्री बिना टिकट और सामान के ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करता है। मंत्री ने कहा कि कई ट्रेनें (आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अवसर) आईं और चली गईं, लेकिन देश सही समय पर अपने सामान और टिकट (विकास का रोडमैप) के साथ तैयार नहीं था। श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मांडविया ने विशेष रूप से उस बुनियादी ढांचे की कमी का जिक्र किया.

अक्बतूर में मिलेगी पहली 'मेड इन इंडिया' चिप

नई दिल्ली.

दुनिया को सितंबर या अक्टूबर के महीने में पहली 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप मिलने जा रही है. इस बात की जानकारी खुद आईटी मिनिस्ट अश्विनी वैष्णव ने दी है. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) के साथ पार्टनरशिप में गुजरात के धोलेरा में देश का पहला सेमीकंडक्टर फैब बना रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर सेमीकंडक्टर को किस तेजी के साथ काम कर रहा है.

आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय बजट 2025 की घोषणाओं पर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा देश ही नहीं पूरी दुनिया को मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर सितंबर या फिर अक्टूबर में पहली चिप मिल जाएगी. इसके लिए धोलेरा के प्लांट में काम चल रहा है. उन्होंने का कि टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन एक साथ इस पर पार्टनरशिप में काम कर रहे हैं. इस यूनिट की शुरुआत मार्च 2024 में की गई थी.ये देश का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट है. उस वक्त कहा गया था कि देश में साल 2026 के एंड तक चिप बनकर तैयार हो जाएगी. लेकिन अश्विनी वैष्णव के बयान के बाद साफ जाहिर हो रहा है कि पहले की प्लानिंग से इतर देश की एक साल पहले ही मेड इन इंडिया चिप मिलने जा रही है. टाटा ग्रुप ने 91,000 करोड़ रुपए का निवेश करके देश का पहला मेगा सेमीकंडक्टर फैब प्लांट स्थापित करने के लिए धोलेरा में लगभग 160 एकड़ जमीन रिजर्व की है. केंद्र और राज्य दोनों प्राधिकरणों से सरकारी सब्सिडी से प्रोजेक्ट एक्सपेंडिचर का 70 प्रतिशत तक कवर होने का अनुमान लगाया गया था.

जिससे धोलेरा फैसिलिटी भारत का प्रमुख कमर्शियल सेमीकंडक्टर फैब बन सके. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पीएसएमसी के बीच इस वेंचर से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रूप से लगभग 20,000 स्किल जॉब जेनरेट होने का अनुमान लगाया गया था. इसके अलावा टाटा ग्रुप ने धोलेरा में अपनी सेमीकंडक्टर सुविधा के लिए ताइवानी फर्म पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन पार्टनरशिप की है.

नए इनकम टैक्स बिल से परेशान कंपनियां

नई दिल्ली.

नए इनकम टैक्स बिल की हर ओर वाहवाही हो रही है, लेकिन इस बिल ने एक खास मायने में कंपनियों के संकट बढ़ा दिए हैं. इसके तहत कंपनियों को इंटर-कॉरपोरेट डिविडेंड पर टैक्स की मार ज्यादा झेलनी पड़ेगी.

22 फीसदी टैक्सेशन का विकल्प चुनने वाली कंपनियों को पुराने कानून के डिविडेंड पर टैक्स से छूट का विकल्प नहीं मिलेगा. इसका मतलब है कि किसी दूसरी कंपनी या ट्रस्ट से डिविडेंड पाने वाली कंपनी को अपने शेयर होल्डर्स के बीच डिविडेंड बांट देने के बाद भी टैक्स देने होंगे.

पहले 22 फीसदी टैक्सेशन का विकल्प चुनने वाली कंपनी को टैक्स नहीं देना पड़ता था. केवल डिविडेंड का लाभ पाने वाले शेयरहोल्डर्स के खाते में यह टैक्स चुकाना होता था. फाइनेंस एक्ट 2020 की धारा 80एम के तहत डबल टैक्सेशन से बचाने के लिए इंटर कॉरपोरेट डिविडेंड पर टैक्सेशन से छूट का इंतजाम किया गया है, ताकि एक ही डिविडेंड पर कंपनी और शेयर होल्डर्स दोनों को टैक्स का भार नहीं झेलना पड़े. अगर कंपनी एक्स के पास कंपनी वाई के शेयर हैं, तो कंपनी एक्स को कंपनी वाई द्वारा दिया गया कोई भी डिविडेंड इंटर-कॉरपोरेट डिविडेंड माना जाता है. एक अप्रैल, 2020 को या उसके बाद प्राप्त इस तरह के इंटर-कॉरपोरेट डिविडेंड को टैक्स से छूट दी गई थी और कटौती की अनुमति दी गई थी.

घरेलू कंपनियों पर पड़ सकता है बड़ा असर

जानकारों का मानना है कि नए इनकम टैक्स बिल में 22 फीसदी टैक्सेशन के स्लैब चुनने वाली कंपनियों में इंटर कॉरपोरेट डिविडेंड पर इनकम टैक्स में छूट से मनाही कर दिए जाने के कारण घरेलू कंपनियों पर काफी बड़ा असर होगा. यह एक समस्या साबित हो सकती है, इसलिए विधेयक के कानून बनकर लागू होने से पहले ही इसके समाधान की जरूरत होगी

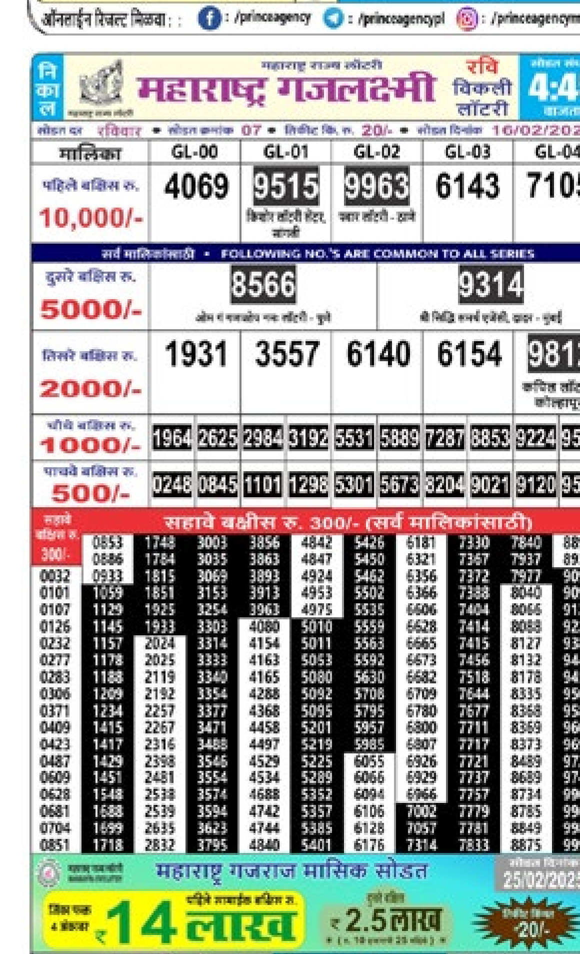

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

बीजेपी अकेले लड़ेगी मनपा की 'लड़ाई

> शिंदे बोले- हमें कमज़ोर न समझें

मुंबई.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 132 सीटें जीतने के बाद बीजेपी के हौसले काफी बुलंद हैं। यही वजह है कि अब वह आने वाले दिनों में मनपा चुनाव खुद के दम पर लड़ने की योजना बना रही है। हाल ही में बीजेपी की कोर कमेटी की बैठक में पार्टी के सीनियर नेताओं ने अपना मत व्यक्त करते हुए कहा कि हमें महायुति के साथ नहीं बल्कि खुद के बल रही पर चुनाव लड़ने चाहिए। उनका मानना है कि हाल के विधानसभा चुनाव में राज्य के सभी हिस्सों से बीजेपी को अच्छा जनसमर्थन मिला है। ऐसे में अब मनपा चुनाव के लिए हमें एकनाथ शिंदे की शिवसेना या फिर अजित पवार की एनसीपी की जरूरत नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक सीएम देवेन्द्र फडणवीस भी पार्टी नेताओं के इस राय से सहमत नज़र आ रहे हैं। ऐसी रिपोर्ट है कि शुक्रवार को दिल्ली में फडणवीस ने इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से विस्तार से चर्चा की है। माना जा रहा है कि 22 फरवरी को पुणे दौरे पर आ रहे शाह के साथ फडणवीस इस बारे में आगे की बातचीत करेंगे। हालांकि बीजेपी के अकेले चुनाव लड़ने की योजना से शिंदे कैंप में हलचल तेज हो गई है।

महायुति में शामिल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि हमारी शिवसेना को कमज़ोर नहीं समझा जाना चाहिए। उनका मत है कि महायुति में शामिल सभी दलों को मिल कर चुनाव लड़ना चाहिए। अकेले चुनाव लड़ने से इसका खामियाजा महायुति में शामिल सभी दलों को उठाना पड़ सकता है।

शिंदे ने यह बात ऐसे समय में कही है, जब हाल ही में सीएम फडणवीस ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ उनके दादर स्थित घर पर मुलाक़ात की थी। इसके बाद से महाराष्ट्र की राजनीति में नया खेला होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। नई महायुति सरकार के गठन के बाद से बीजेपी और शिंदे के बीच की खाई चौड़ी होती जा रही है। शिंदे, दोबारा सीएम न बनाए जाने से नाखुश हैं। यहां तक कि वे सीएम फडणवीस की बैठकों में भी शामिल नहीं हो रहे हैं। आरोप यह भी लग रहे हैं कि डिप्टी सीएम शिंदे महायुति के अंदर खुद की अलग 'सरकार' चला रहे हैं। उनका यह रवैया बीजेपी को नागवार गुज़र रहा है। यही वजह है कि अब मनपा चुनाव में बीजेपी अपने बलबूते मैदान में जाना चाहती है। ताकि महायुति सरकार की तरह मनपा में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए शिंदे पर निर्भर न रहना पड़े। हाल ही में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने यह संकेत दिए थे कि विभिन्न जिलों में लंबित मनपा चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल महीने में कराए जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर चल रही सुनवाई पर टिकी है।

सबसे अहम मुंबई बीएमसी का चुनाव

जानकारों का कहना है कि इसमें सबसे अहम देश की सबसे अमीर माने जाने वाली मुंबई बीएमसी का चुनाव है। जिस पर काबिज़ होने के लिए महायुति में शामिल बीजेपी और शिंदे सेना के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। ओबीसी आरक्षण का मामला अभी भी सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। ओबीसी आरक्षण व वार्ड पुनर्गठन की याचिका पर शीर्ष अदालत में अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि मनपा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं।

मुंबई में 11 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

> 2 महिलाओं की झुलसकर मौत, 3 की हालत स्थिर

मुंबई. मुंबई से एक अग्नीकांड की खबर सामने आ रही है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार शॉर्ट सर्किट होकर एक बहुमंजिला बिल्डिंग में आग लगने की यह घटना है। इस घटना में 2 महिलाओं की मौत हुई है। शहर में रविवार सुबह 11 मंजिला एक इमारत में आग लगने से एक महिला की मौत हो गई और तीन अन्य लोगों का दम घुटने लगा। इन तीनों की हालत अब स्थिर है। आग मुख्य रूप से इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर लगे जनरल मीटर बॉक्स और बिजली की वायरिंग में लगी, जो जल्द ही इमारत के दूसरे हिस्सों में फैल गई।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार दक्षिण मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में स्थित पन्ना अली मेंशन इमारत में सुबह छह बजकर 11 मिनट पर आग लग गई। अधिकारी ने कहा कि आग भवन के ग्राउंड फ्लोर पर मीटर और तारों में लगी। इस दौरान प्रथम तल पर मौजूद 2 महिलाओं के हाथ-पैरों में चोटें आईं तथा आग लगने से हुए धुएं के कारण उनका दम घुटने लगा। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में सिजिया आलम शेख (30) और सबीला खातून शेख (42) की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि करीम शेख (20), साजिया आलम शेख (30) और शाहीन शेख (22) को सांस लेने में दिक्कत के कारण सरकारी जे जे अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने का पक्का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

अवैध हथियारों के साथ दो युवकों को दबोचा

> 3 पिस्तौल और 8 कारतूस बरामद

मुंबई. पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को दो युवकों को गिरफ्तार किया है. जिनके पास से तीन देसी पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं. यह कार्रवाई वडाला इलाके में एक विशेष जाल बिछाकर की गई. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ज़ीशान जमील अहमद (19) और दिनेश कुमार महेंद्र पाल (20) के रूप में हुई है. दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के निवासी हैं. दरअसल, मुंबई क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ युवक अवैध हथियारों के साथ वडाला इलाके में आने वाले हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और दोनों आरोपियों को धर दबोचा. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अब यह जांच की जा रही है कि उन्होंने ये हथियार कहां से खरीदे और इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए किया जाना था.

लव जिहाद कानून के मुद्दे पर गरमाई राजनीति

> एमवीए ने उठाए सवाल

मुंबई. धोखाधड़ी कर जबरन धर्म परिवर्तन रोकने के लिए महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। महायुति की सरकार को इस पहल की कहीं पर सराहना हो रही है, तो कहीं पर इसके विरोध के स्वर उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट के मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने सरकार के निर्णय का स्वागत किया। वहीं कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने कहा कि ये लोग देश के कल्चर को बिगाड़ना चाहते हैं। महाराष्ट्र में धोखाधड़ी कर जबरन धर्म परिवर्तन जैसे मसले पर अध्ययन करने के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस मसले को लेकर महाराष्ट्र में क्या वर्तमान स्थिति है, दूसरे राज्यों में किस तरह का कानून बनाया गया है, इसका समाधान कैसे होगा, कानूनी पहलू क्या है, ऐसे विषयों पर यह समिति विस्तार से अध्ययन करेगी और साथ ही सिफारिश भी करेगी। समिति के गठन से संबंधित शासनादेश जारी किया है। समिति का अध्यक्ष महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक को बनाया गया है। समिति सरकार को राज्य में एक कानून का मसौदा तैयार करने की सिफारिश करेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति की सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने कहा कि श्रद्धा वालकर की हत्या आफताब अमीन नाम के एक व्यक्ति ने की थी। रूपाली चंदनशीवे की इकबाल शेख ने हत्या की थी। निजाम खान ने पूनम को मार डाला। उरण की यशश्री शिंदे को दाऊद शेख ने मार डाला। इस तरह की हत्या किसने की? यह सब सामने होते हुए भी आप कैसे कह सकते हैं कि लव जिहाद जैसा कुछ भी नहीं हो रहा है?

लातूर में आपसी रंजिश में शख्स की हत्या

मुंबई. लातूर में आपसी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई. पुलिस ने इस मामले में 36 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. दरअसल 6 और 7 फरवरी की रात लातूर के रिंग रोड पर बाबलगांव नाका और बसवेश्वर चौक के पास एक होटल के नजदीक एक व्यक्ति का शव मिला था.शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे, जिससे पुलिस को हत्या की आशंका हुई, जांच में मृतक की पहचान नजीर पाशा सैयद (बीड जिले के निवासी) के रूप में हुई. पुलिस ने तकनीकी और मानव खुफिया जानकारी के आधार पर 9 फरवरी को आरोपी सतीश भीमराव वाघमारे (36) को गिरफ्तार किया. वाघमारे बीड जिले का निवासी है, लेकिन लातूर में रह रहा था. पूछताछ के दौरान उसने पुलिस को बताया कि उसकी नजीर पाशा से पुरानी दुश्मनी थी और वह लंबे समय से बदला लेने का मौका तलाश रहा था. हत्या की रात, वाघमारे ने मौका देखकर नजीर पाशा के सिर पर पत्थर से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. हत्या के बाद वह फरार हो गया, लेकिन पुलिस की जांच में पकड़ा गया.आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि हत्या की वजह निजी दुश्मनी थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी था.

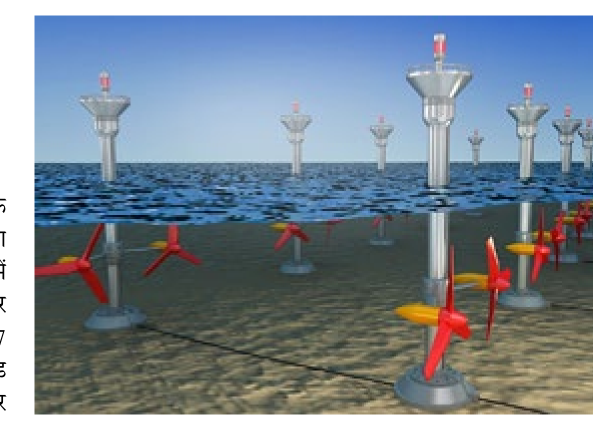

भारत में पहली बार समुद्री लहरों से बिजली उत्पादन होगा

मुंबई. बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और हर स्रोत का पूरा उपयोग करने के लिए देश में पहली बार समुद्री लहरों से बिजली पैदा की जाएगी। केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली भारत पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड (बीपीसीएल) ने इसके लिए पहल की है। इसके तहत इजराइली कंपनी के सहयोग से मुंबई में पहली पायलट परियोजना स्थापित की जाएगी। दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में चल रहे 'भारत ऊर्जा सप्ताह' का मुख्य उद्देश्य देश की बढ़ती ईंधन और ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्यावरण अनुकूल और स्वच्छ ऊर्जा पर केंद्रित है।

इसके तहत बीपीसीएल ने समुद्र जैसे विशाल मात्रा में उपलब्ध नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से बिजली उत्पादन की योजना बनाना शुरू कर दिया है। इसके तहत बीपीसीएल जल्द ही इजरायल की इको वेव पावर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी। इसके जरिए मुंबई तट पर समुद्री लहरों से 100 किलोवाट बिजली पैदा करने वाली एक पायलट परियोजना स्थापित की जाएगी। इको वेव पावर एक ऐसी कंपनी है जिसने इस क्षेत्र में ऐसी परियोजना को सफलतापूर्वक सिद्ध किया है। इसीलिए यह एमओयू महत्वपूर्ण है और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इस समझौते पर 'भारत ऊर्जा सप्ताह' के अंतिम दिन हस्ताक्षर होने की संभावना है।इजराइल के तेल अवीव में मुख्यालय वाली इको वेव पावर ने इजराइल, जिब्राल्टर और पुर्तगाल में पांच से 20 मेगावाट तक की वेव एनर्जी प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक शुरू की हैं। सूत्रों ने बताया कि इसी तकनीक का उपयोग करके मुंबई में एक पायलट परियोजना लागू की जाएगी। हालांकि संपर्क करने पर बीपीसीएल के जनसंपर्क विभाग ने जानकारी देने से इनकार कर दिया।

मस्जिदों में लाउडस्पीकर बजाने का विरोध

> बीजेपी ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

मुंबई. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुंबई की मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों से होने वाले अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान शुरू किया है. पार्टी ने हाल ही में बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए, स्वीकार्य स्तर से अधिक शोर मचाने वाली मस्जिदों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है मुंबई की मस्जिदों पर बिना पुलिस अनुमति के लाउडस्पीकर लगाकर अजान को जोरदार आवाज में बजाना और नॉइज पॉल्युशन फैलाने के मामले में भारतीय जनता पार्टी लगातार एक्शन में है.

भाजपा ने एक विंग बनाई है, जिसको पूर्व भाजपा सांसद किरीट सोमैया लीड कर रहे हैं. अब तक ये डेलिगेशन भांडुप,घाटकोपर और विक्रोली पुलिस थानों में जाकर इनके इलाकों में, जिन मस्जिदों में बिना अनुमति लाउड स्पीकर लगाए गए है, पुलिस ने ऐसे मस्जिद प्रबंधन कमिटी को नोटिस देना शुरू कर दिया है.

रविवार को भाजपा की मस्जिद लाउडस्पीकर विंग ने घाटकोपर पुलिस स्टेशन में दोबारा जाकर पुलिस को शिकायत की थी. भाजपा मस्जिद विंग ने पुलिस को बताया कि घाटकोपर में एक भी मस्जिद को लाउडस्पीकर की इजाजत नहीं है.

हिंदू, मुस्लिम, छोटे बच्चे, परीक्षा और वरिष्ठ नागरिक ये सब रहते हैं. सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक इन मस्जिदों पर लगे अवैध लाउड स्पीकर की शोर से परेशान हैं.

भाजपा मस्जिद विंग ने कहा कि ये नहीं चलेगा. पुलिस को ऐसे अवैध लाउड स्पीकर को तुरंत हटाने को कहा है. घाटकोपर की चिराग नगर बस्ती में एक पुरानी मस्जिद है, जो 4 महीने पहले बनाई है और इसपर 12 लाउडस्पीकर लगाए गए हैं. आसपास के जो बिल्डिंग हैं, 5वीं मंजिल के ऊपर लाउडस्पीकर लगाया है. इसपर भी कार्यवाही की मांग पुलिस से की गई है.

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा कि भाजपा डेलिगेशन कल 15 फरवरी को विक्रोली पार्कसाइट पुलिस स्टेशन का दौरा किया था. इस क्षेत्र के आनंदगढ़ नाका स्थित अक्सा मस्जिद, बम खाना स्थित मदीना मस्जिद और हनुमान नगर स्थित दारुल अमन मस्जिद में लगाए गए लाउडस्पीकर की आवाज कानूनी रूप से स्वीकृत डेसीबल सीमा, शोर स्तर और वॉल्यूम से कहीं अधिक होती है. पुलिस ने बताया कि मदीना मस्जिद और दारुल अमन मस्जिद ने लाउडस्पीकर की कोई अनुमति नहीं ली है और इस पर कार्रवाई की जाएगी. इस दौरान भाजपा डेलिगेशन के विनायक कामत, अनिल निर्मल, युवराज मोरे, दिलीप मटकर, संदीप त्रिपाठी, सनद ओझा, दीपू तिवारी और संतोष गंजिले भी उपस्थित थे.

महाराष्ट्र से एक पुलिस अफसर का किया अपहरण

मुंबई.

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र बार्डर पर स्थित अमरती गांव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. एक आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस का एक अधिकारी अमरती गांव पहुंचा था, जहां उसको ही आरोपी ने हथियार दिखाकर बंधक बना लिया. जलगांव जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. महेश्वर रेड्डी ने इस संबंध में मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क किया है. पुलिस अधिकारी को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं.

जलगांव जिले के चोपड़ा इलाके में महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश सीमा के पास स्थित उमरती गांव है. यहां एक आरोपी ने पुलिस के एक अधिकारी का अपहरण कर लिया है. चोपड़ा ग्रामीण पुलिस एक आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए महाराष्ट्र के उमरती गांव गई थी. आरोपी की गिरफ्तारी के बाद गांव के कुछ लोग पुलिस की ओर दौड़े. इसके बाद एक पुलिस अधिकारी को उन्होंने पकड़कर बंधक बना लिया. बाद में वह लोग पुलिस अधिकारी को मध्य प्रदेश सीमा के पार ले गए.

पुलिस की एक टीम एक आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए अमरती गांव गई थी. पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करके अपने साथ ला ही रही थी कि इसी दौरान पुलिस ने देखा गांव के कुछ लोग हथियार लेकर उनका पीछा कर रहे हैं. आरोपी के जानकारों ने उसे छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन इस बीच पुलिस अपनी जान बचाते हुए आरोपी को छोड़कर भाग गई. हालांकि, इस दौरान गांववालों ने पुलिस के अधिकारी को पकड़कर बंधक बना लिया.

122 करोड़ के गबन के मामले में बड़ा खुलासा

मुंबई. न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. आजतक के पास इस घोटाले के शिकायतकर्ता के बयान की एक्सक्लूसिव कॉपी है, जिससे पता चलता है कि बैंक के तत्कालीन जनरल मैनेजर हितेश मेहता ने बैंक के सुरक्षित लॉकर से भारी रकम गबन की थी.भारतीय रिज़र्व बैंक ने जब बैंक में कैश की भारी गड़बड़ी पाई तो उसने एक प्रशासक नियुक्त किया. 12 फरवरी को जब आरबीआई अधिकारियों ने बैंक का ऑडिट किया, तब इस घोटाले की परतें खुलीं. शिकायतकर्ता के बयान के मुताबिक वह बैंक का एक वरिष्ठ कर्मचारी है, उसने बताया कि सुबह 9 बजे से वह मुंबई के प्रभादेवी स्थित बैंक के कॉर्पोरेट ऑफिस में मौजूद था. उसी समय आरबीआई के डिप्टी जीएम रवींद्रन और एक अन्य अधिकारी संजय कुमार ऑडिट के लिए पहुंचे.

साथ ही बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी- जनरल मैनेजर, असिस्टेंट जनरल मैनेजर और अन्य उच्च अधिकारी भी वहां मौजूद थे. शिकायतकर्ता के मुताबिक बैंक का मुख्य सुरक्षित लॉकर इमारत की तीसरी मंज़िल पर था. आरबीआई के अधिकारियों ने लॉकर की चाबियां न्यू इंडिया बैंक के कर्मचारी अतुल म्हात्रे से लीं और तिजोरी में रखे कैश को गिनने लगे. शिकायतकर्ता ने कहा कि आरबीआई अधिकारियों की एक टीम उसी वक्त न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की गोरेगांव ब्रांच में भी गई थी और वहां रखी तिजोरी में कैश गिन रही थी. बयान के मुताबिक कुछ घंटों बाद आरबीआई के अधिकारियों ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को ऊपर बुलाया और बताया कि तीसरी मंजिल पर स्थित बैंक के लॉकर में रखी नकदी और रजिस्टर में दर्ज नकदी में भारी अंतर है. बैंक के लॉकर से 122 करोड़ रुपये कैश गायब है और गोरेगांव शाखा से भी कुछ रकम कम थी. शिकायतकर्ता के अनुसार हम सभी हैरान थे और हमें नहीं पता था कि क्या कहना है. आरबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने हमें बताया कि अगर हम उन्हें नहीं बताएंगे कि कैश कहां है तो हम मुश्किल में पड़ जाएंगे. साथ ही हमसे कहा गया कि अगर आप बताना चाहें हैं, तो उन्हें ईमेल भी कर सकते हैं. इस बीच हितेश मेहता ने आरबीआई के अधिकारियों से अकेले में मुलाकात की. इसके बाद अन्य वरिष्ठ बैंक अधिकारियों को बुलाया गया. साथ ही हितेश मेहता ने कैश गबन करने की बात स्वीकार कर ली. शिकायतकर्ता के बयान के मुताबिक जब मेहता से पूछा गया कि इतनी बड़ी रकम कहां गई, तो उसने कहा कि उसने यह पैसा कुछ परिचितों को दे दिया. जब उससे पूछा गया कि यह गबन कब से चल रहा था,

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। संतान के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे,

वृषभ -आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में खुशियां रहेंगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय बिताएंगे,

मिथुन -आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं,

कर्क -आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है।

सिंह -आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपने पारिवारिक जिम्मेदारियों को आसानी से पूरा करेंगे और आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

कन्या -आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को करने से बचने के लिए रहेगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी,

तुला -आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। बिजनेस में आप किसी से लेनदेन थोड़ा सोच समझकर करें।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी और आप मौज-मस्ती भरा जीवन जिएंगे।

धनु -आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपका मनमौजी स्वभाव के कारण लोग आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

मकर-आज का दिन आपके लिए पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। आपके घर में सुख-शांति बनी रहेगी। आपके घर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से निजात दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी की कहीसुनी बातों में आने से बचना होगा

मीन -आज का दिन आपके लिए धन संबंधित समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपको अक्समात लाभ मिलने के भी योग बनते दिख रहे हैं,

बावनकुले ने अटकलों पर लगाया विराम

> बोले- महायुति मिलकर लड़ेगी स्थानीय चुनाव

नासिक.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने स्पष्ट किया है कि पार्टी स्थानीय स्वशासन चुनाव महायुति गठबंधन के रूप में लड़ेगी लेकिन स्थानीय स्थिति पर विचार करने के बाद कुछ निर्णय लिए जाएंगे। इस बयान से अटकलें लगाई जा रही हैं कि भाजपा इन चुनावों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से अकेले लड़ने की रणनीति को बढ़ावा दे रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है, अभी और बड़े पैमाने पर कार्यकर्ता शामिल होंगे। साथ ही जिन नेताओं को भाजपा के साथ काम करना है, वे भी शामिल होंगे। पार्टी में शामिल होने की प्रक्रिया जारी है। बड़े पैमाने पर लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

संतोष देशमुख हत्याकांड में मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड को आखिरी बार पुणे में देखा गया था, जहां 17 दिसंबर को उसके छिपने से पहले उसका मोबाइल फोन सक्रिय था। जांच जारी है और सरकार ने आश्वासन दिया है कि जब तक आरोपियों को सजा नहीं मिल जाती, वह चैन से नहीं बैठेगी। राज्य के लिए एक अच्छी रेत नीति आ रही है। हमारी अंतिम बैठक अगले सप्ताह होगी, जहां इस नीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। आम लोगों को सस्ते दाम पर रेत मिलेगी। बावनकुले ने कहा, इससे रेत माफियाओं पर रोक लगेगी। भाजपा के विधायक सुरेश धस और राकांपा के मंत्री धनंजय मुंडे के बीच कोई गुप्त चर्चा नहीं हुई। दोनों नेताओं के बीच केवल मतभेदों पर चर्चा हुई। सरपंच संतोष देशमुख के हत्यारों को फांसी की सजा होनी चाहिए, इस पर हम दृढ़ हैं। बावनकुले ने कहा कि दोनों के बीच मतभेद हैं, मनभेद नहीं। मेरे सामने धस ने कोई समझौता नहीं किया, यह मीटिंग होने के बाद 27-28 दिन हो गए हैं। दोनों की चर्चा मेरे सामने हुई। इसमें देशमुख के हत्यारों को फांसी होनी चाहिए, यह दोनों का मत है। दोनों में मनभेद नहीं हैं, मतभेद हैं। एक-दूसरे से मिलने की महाराष्ट्र की संस्कृती है। मेरे सामने दोनों के बीच कोई मझौता नहीं हुआ, यह किसी साजिश का हिस्सा नहीं है।

1.5 करोड़ सदस्यों का लक्ष्य

उन्होंने आगे कहा, 'राज्य में अब तक भाजपा के 1 करोड़ 12 लाख प्राथमिक सदस्य बन चुके हैं। 28 फरवरी तक 1.5 करोड़ सदस्यों का लक्ष्य है, और यह पार्टी पूरी तरह से डिजिटल रिकॉर्ड रखने वाली होगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने संतोष देशमुख हत्याकांड पर टिप्पणी करते हुए इसे गंभीर घटना बताया।

इंडिया गठबंधन अब पहले से ज्यादा एकजुट होगा

दिल्ली. विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन की एकजुटता पर कई सवाल खड़े हुए. कई दलों की तरफ से ये सवाल किया गया कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन क्यों नहीं किया गया. वहीं अब इन तमाम सवालों के बीच शिवसेना यूबीटी के सांसद और वरिष्ठ नेता संजय राउत का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने दावा किया कि दिल्ली और हरियाणा में आप कांग्रेस के साथ अलायंस करना चाहती थी. संजय राउत ने कहा, जब हम आदित्य ठाकरे के साथ केजरीवाल से मिलने गए थे तब उनका दर्द छलक रहा था कि कांग्रेस दिल्ली और हरियाणा में बीजेपी को नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी को हराना चाहती थी.

सुविचार

उठो, जागो और तब तक मत रुको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो

संपादकीय

मतभेदों के बीच मैत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा को विशेष माने जाने के एक नहीं, कई कारण रहे। यह दो 'बहुत अच्छे दोस्तों' को 'बेहद टफ नेगोशिएटर' की भूमिका में देखने का एक दिलचस्प मौका तो थी ही, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की पर्सनल केमेस्ट्री भी चर्चित रही है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर संदेह की परतें चढ़ा दी थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार टैरिफ का सवाल उठा रहे थे। यात्रा से ठीक पहले जिस तरह से भारत के इलीगल माइग्रेंट्स को सैनिक विमान में स्वदेश भेजा गया, उसने भी माहौल को बिगाड़ने में कम बड़ी भूमिका नहीं निभाई। जो थोड़ी-बहुत कसर बाकी थी, वह भी आपसी मुलाकात से ठीक पहले राष्ट्रपति ट्रंप के इस ऐलान से पूरी हो गई कि अमेरिका समान टैरिफ की पॉलिसी पर चलेगा। उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम उस पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। यह भारत को परोक्ष लेकिन सीधी चेतावनी थी। इस माहौल में तनाव को हावी होने दिए बगैर पीएम मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन', और यह भी कहा कि जब मेगा और मिगा साथ आते हैं तो बन जाता है मेगा जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि राष्ट्रपति ट्रंप की तरह वह भी अपने राष्ट्रहित का अनुसरण करेंगे।

इस कूटनीतिक कौशल का ही नतीजा था कि जो माहौल टकराव की ओर जाता दिख रहा था, वह सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की ओर केंद्रित हो गया। न केवल टैरिफ जैसे मसलों पर फ्रेमवर्क बनाने की बातचीत शुरू करने पर सहमति बनी बल्कि अंतरिक्ष यात्रा, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर नजरें जम गईं। मुंबई टेरर अटैक के एक साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का राष्ट्रपति ट्रंप ने वहीं ऐलान भी कर दिया। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन पीएम मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा।

मोदी यात्रा गौतम अडानी से तहव्वुर राना तक

डॉ.सलीम ख़ान, मुंबई

कहावत मशहूर है, "हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और"। मोदी जी के अमेरिकी दौरे में दिखाने का दाँत तो तहव्वुर राना है, मगर खाने का छिपा हुआ दाँत गौतम अडानी है यानी एक को लाने की आड़ में दूसरे को छुड़ाना है। तहव्वुर राना को भारत के हवाले करने का फ़ैसला कई महीने पहले अमेरिकी अदालत सुना चुकी थी, मगर उस वक़्त बाईडन ने उसे भुनाने की कोशिश नहीं की और न मोदी को इसकी ज़रूरत पेश आई। इसलिए कि न अडानी के ख़िलाफ़ कोई वारंट था और न अजीत डोभाल या अमित शाह पर सम्मन की तलवार थी। उनको बचाने की पर्दापोशी के लिए तहव्वुर राना का शोर अब ज़रूरी हुआ है। मोदी की तरह ट्रम्प ने भी इस 'आपदा' में 'अवसर' निकाल लिया। उन्होंने पिछले दिनों फ़ौजी हवाई जहाज़ से अपमानजनक ढंग से ग़ैरक़ानूनी रूप से वहाँ जानेवाले भारतीयों को भेजकर यह सन्देश दिया था कि वापसी में गौतम अडानी को लेकर जाने की माँग भी की जा सकती है, क्योंकि दोनों देशों के दरमियान अभियुक्तों की वापसी का समझौता है। अडानी को अगर बेड़ियाँ डालकर ले जाया जाए तो विश्व गुरु नरेंद्र मोदी का क्या होगा? इसलिए फ़िलहाल तो प्रधानमंत्री अपने चहेते गौतम अडानी की गिरफ़्तारी को 6 महीने के लिए टाल आए। यही इस दौरे का निष्कर्ष है, मगर ट्रम्प ने इस ब्लैक मेल से ख़ूब कमाई की। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास अपराधियों को माफ़ी देने का अधिकार होता है। ऐसी बेशर्मी से उसका इस्तेमाल किया जाता है कि अतीत के राजा भी शर्मा जाएँ। राष्ट्रपति जोबाईडन जैसे शरीफ़ नज़र आनेवाले राष्ट्रपति ने जाते-जाते 5 हज़ार अपराधियों को माफ़ कर दिया। जी हाँ पाँच हज़ार ऐसे लोग जिनपर अपराध सिद्ध हो चुका था, राष्ट्रपति साहब के एक इशारे पर रिहा हो गए। उनमें जो बाईडन का सुपुत्र भी था और इस तरह क़ानून की सर्वोपरिता का डंका बज गया। डोनल्ड ट्रम्प ने आते ही उन सारे लोगों को माफ़ कर दिया जिन लोगों ने वाइट हाउस पर ऐसा हमला किया था कि ट्रम्प के उप-राष्ट्रपति को बाथरूम के रास्ते फ़रार होना पड़ा था। इन लोगों ने बग़ावत की थी, मगर चार साल पहले उन्होंने ट्रम्प से प्रशंसा पाई थी और अब बाइज़्ज़त बरी हो गए। इसपर ट्रम्प ने अपनी तारीफ़ में कह दिया कि उन्होंने अपने किसी रिश्तेदार को माफ़ नहीं किया। वैसे ग़ज़्ज़ा में नरसंहार की सरपरस्ती ने बाईडन का भयानक चेहरा बेनक़ाब किया, डोनल्ड ट्रम्प ने ग़ज़्ज़ा पर क़ब्ज़े का एलान करके अपनी निर्दयता में चार चाँद दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यक़ीन था कि एक बार वे अपने पुराने दोस्त से मिलेंगे कि जिनको उन्होंने भारत बुलाकर नमस्ते कहा था, तो अपने दोस्त गौतम अडानी को माफ़ी दिलवा देंगे। इसी लिए ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह से पहले वित्तमंत्री एस जयशंकर को उद्घाटन समारोह का दावतनामा हासिल करने की ग़रज़ से अमेरिका भेजा गया। मोदी जी की मजबूरी को ट्रम्प भाँप गए, इसलिए उनकी बेचैनी बढ़ाने के लिए जयशंकर को बैरंग लौटा दिया। उसके बाद भारत से सम्बन्ध सुखद रखने की ख़ातिर मोदी के बजाय जयशंकर को बुलवा लिया। इस तरह मोदी के बजाय भारतीय ख़ज़ाने में ट्रम्प ने अपनी दिलचस्पी का इज़हार किया। मोदी जी अपने अडानी बचाओ मिशन में लगे रहे और यहाँ तक कि इसराईल, जोर्डन और जापान के बाद उनकी हाज़िरी का नंबर आ ही गया। बस फिर क्या था, गोदी मीडिया ने महाकुंभ के तर्ज़ पर 'महाशक्तियों के महानेताओं का महामिलन' जैसी ख़बरें उछालनी शुरू कर दीं, क्योंकि मोदी जी को बुलाने के बाद भारतवासियों के पैरों में बेड़ियाँ डालकर फ़ौजी जहाज़ में रवाना करनेवाले ट्रम्प के सारे महापाप धुल गए थे।

मोदी से पहले ट्रम्प की मेहमान-नवाज़ी के चर्चे मीडिया की शोभा बने हुए थे। हिंदुत्ववादी ख़ास तौर पर उनके द्वारा नेतन्याहू के लिए कुर्सी सीधी करने का वीडियो वाइरल करके ख़ुशी मना रहे थे। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि मोदी जी की पूरी मेज़ ही ट्रम्प साहब उलट देंगे। नेतन्याहू के बाद जब उनके पड़ोसी जोर्डन के शाह अब्दुल्लाह मुलाक़ात के लिए गए तो स्वागत की ख़ातिर ट्रम्प अपने महल के दरवाज़े पर आ गए। अब मोदी जी तो इस उम्मीद के साथ पहुँचे होंगे कि ट्रम्प से उनकी मुलाक़ात हवाई अड्डे पर ही हो जाएगी और वे अपने विशिष्ट अंदाज़ में उनसे लिपट जाएँगे जिसको अंग्रेज़ गले पड़ना कहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रधानमंत्री भूल गए कि इससे पहले भी उनका स्वागत भारतीय दूतावास के कर्मचारी करते रहे हैं और बाहर जो लोग 'हर-हर मोदी, घर-घर मोदी' के नारे लगाते थे, वे बेचारे निकाले जाने के डर से अपने घरों में दुबके बैठे हैं।

ख़ैर मोदी जी ने सोचा कि उनके साथ कम-से-कम शाह अब्दुल्लाह का-सा सुलूक होगा और डोनल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति दरवाज़े पर नज़र आ जाएँगे, लेकिन वहाँ भी किसी अनजान महिला ने स्वागत करके निराश कर दिया। ट्रम्प के इन झटकों को अंग्रेज़ी में शाक ट्रीटमेंट (Shock treatment) कहते हैं।

आधुनिक बूचड़ख़ानों में मवेशी को ऐसे झटके देकर निढाल किया जाता है, ताकि ज़ब्ह करते वक़्त ज़्यादा हाथ पैर न मार सके। डोनल्ड ट्रम्प इस हथकंडे को इस्तेमाल करने में ख़ूब महारत रखते हैं। मोदी जी को अधमरा करने के लिए उन्हें दौरे से ठीक पहले स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ़ को पच्चीस प्रतिशत तक पहुँचा दिया और उसके बाद मोदी को न सिर्फ़ अपना घटिया मगर महँगा हथियार बेचा, बल्कि उनको अमेरिका से पेट्रोलियम और गैस ख़रीदने पर भी मजबूर किया। यूक्रेन जंग के बाद जब रूस पर पाबंदी लगी तो भारत ने मौक़े का फ़ायदा उठाकर उससे सस्ता ईंधन ख़रीदना शुरू किया था। इससे पहले ईरान के साथ भी यही हो चुका है कि अमेरिका ने पाबंदी लगाई तो भारत से ख़ूब सस्ता तेल ख़रीदा।

यह और बात है कि इसका फ़ायदा सिर्फ अंबानी और अडानी जैसे पूँजीपतियों और सरकारी खज़ाने तक सीमित रहा। जनता को इस सस्ते ईंधन से कोई राहत नहीं मिली, क्योंकि उनके लिए मोदी जी के भाषणों और लतीफ़ों से मिलनेवाला मुफ़्त का मनोरंजन काफ़ी है। जनता को वोट देने की ख़ातिर ज़िंदा रखने के लिए पाँच किलो मुफ़्त अनाज का महान उपकार जारी है। एक तरफ़ डॉलर की क़ीमत बढ़ रही है, इसपर दूर-दराज़ अमेरिका से तेल ख़रीदनेवाले उपभोक्ताओं का तेल निकल जाएगा। अमेरिकी प्रशासन ने सारी ज़ोर-ज़बरदस्ती के बदले गौतम अदाणी को रिहाई देने के बजाय 6 महीने की छूट देकर दोबारा ब्लैक मेल की सम्भावनाएँ बाक़ी रखी हैं, मगर गोदी मीडिया के लिए तहव्वुर राना का झुनझुना काफ़ी है। तहव्वुर राना को अमेरिकी अदालत ने आतंकवाद की साज़िशों के अंदर लिप्त होने के 12 आरोपों में 14 साल क़ैद की सज़ा सुनाई थी। इसपर मुंबई हमले के मास्टर माइंड रिचर्ड कोलमन हेडली से सहयोग का इल्ज़ाम था, मगर ख़ुद हेडली को 35 साल की सज़ा सुनाई गई थी। अमेरिकी जेल में इंडियन जाँच एजेंसी के सामने हेडली ने यह स्वीकार तो किया कि हमला-आवरों को जगह की मालूमात और विस्तृत विवरण उसने दिया था, लेकिन कहा कि वह कभी हमला-आवरों से नहीं मिला था। भारत के पूर्व गृहसचिव जी के पिल्लई ने स्पष्ट रूप से कहा था कि हेडली के डबल एजेंट होने की सम्भावना विश्वसनीय है। महाशय के अनुसार 'ये बात सबको मालूम है कि हेडली की गिरफ़्तारी के बाद इंडियन अधिकारियों को हेडली से पूछ-गछ की इजाज़त लेने में काफ़ी वक़्त लगा और उसके बावजूद उन्हें केवल सीमित सवाल करने की इजाज़त दी गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिकियों को अंदाज़ा था कि अगर हेडली से और कुछ सवालात किए गए तो अमेरिकी भूमिका पर पर्दा डालना मुश्किल हो जाएगा।' रिचर्ड हेडली के दोस्त राहुल भट्ट ने इस आरोप के समर्थन में लिखा है कि "उसका (यानी डबल एजेंट होने का) सबसे बड़ा सुबूत यह था कि हेडली न केवल अपना नाम बदलने में कामयाब हुआ, बल्कि उसने नए नाम से पासपोर्ट भी हासिल कर लिया।" वे लिखते हैं "नाइन इलेविन के बाद अमेरिका अपनी सुरक्षा के बारे में इतना सतर्क था कि अमेरिका से पाकिस्तान जानेवाले हर मुसाफ़िर की निगरानी की जा रही थी, लेकिन यह समझ से बाहर है कि इस दौरान अमेरिकी प्रशासन ने हेडली से एक बार भी क्यों पूछ-गछ करना ज़रूरी नहीं समझा।

भारत और अमेरिका के दरमियान हवालगी के समझौते में यह शर्त है कि अगर कोई व्यक्ति भारत में जुर्म करता है और अमेरिकी धरती पर पकड़ा जाता है तो उसकी हवालगी की माँग की जा सकती है, लेकिन हेडली ने सम्भवतः अमेरिका से ये समझौता किया था कि वह उनके साथ पूरा सहयोग करेगा, बशर्तेकि कि उसे भारत या पाकिस्तान के हवाले न किया जाए। डेविड कोलमैन हेडली अब सरकारी गवाह बनकर आज़ाद घूम रहा है, मगर मोदी सरकार उसको वापस लाने की बात नहीं करती, क्योंकि ऐसा करने से अमेरिका के साथ सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं और हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेलने के लिए तहव्वुर राना की हवालगी काफ़ी है। तहव्वुर राना की आड़ में गौतम अदाणी के खेल की ख़ूबी यह है कि इसमें राजनैतिक तथा आर्थिक लाभ दोनों हैं।

(अनुवादक : गुलज़ार सहराई)

हिज़्ब उत-तहरीर की इस्लामी खिलाफत के लिए वकालत

आज की वैश्वीकृत दुनिया में प्रासंगिकता

प्रो बंदिनी कुमारी. लेखिका समाज शास्त्र की प्रोफेसर हैं और उत्तर प्रदेश के डिग्री कॉलेज में कार्यकर्ता हैं हिज्ब उत-तहरीर एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामी राजनीतिक संगठन है, जिसका उद्देश्य इस्लाम के खलीफा शासन (खिलाफत) की स्थापना करना है। यह संगठन 1953 में यरूशलेम (उस समय जॉर्डन के नियंत्रण में) में स्थापित हुआ था। इसे फिलिस्तीनी विद्वान तकीउद्दीन अल-नभानी ने शुरू किया था। हिज्ब उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य इस्लामिक उम्माह (समुदाय) को एकजुट करना और इस्लामी कानून (शरिया) के अनुसार सरकार चलाने वाली वैश्विक खिलाफत को पुनः स्थापित करना है। हिज्ब उत-तहरीर का मानना है कि मुसलमानों के सभी राजनीतिक, आर्थिक, और सामाजिक मुद्दों का समाधान केवल इस्लामी शासन प्रणाली (खिलाफत) के तहत हो सकता है। यह ऐसी खिलाफत चाहता है जो एक वैश्विक इस्लामी राज्य के रूप में कार्य करे। हिज्ब उत-तहरीर लोकतंत्र, पूंजीवाद, और राष्ट्रवाद जैसी पश्चिमी विचारधाराओं का विरोध करता है, जिन्हें यह इस्लामी मूल्यों के खिलाफ मानता है। हिज्ब उत-तहरीर मुख्यतः मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व, और यूरोप में सक्रिय है।

इसकी गतिविधियां मुस्लिम बहुल देशों के साथ-साथ पश्चिमी देशों में भी देखी गई हैं। कई देशों ने इसे आतंकवाद और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने के आरोप में प्रतिबंधित कर दिया है।यह संगठन भारत सहित, पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, रूस, जर्मनी, और चीन जैसे देशों में अवैध घोषित है। आलोचक इसे कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला संगठन मानते हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और धार्मिक सहिष्णुता के खिलाफ है।इस्लामिक विद्वानों के बीच भी इस संगठन की विचारधारा को लेकर मतभेद हैं। कुछ इसे इस्लामी सिद्धांतों के विपरीत मानते हैं।कई देशों में इसे राष्ट्र की स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है। ये संगठन हाल फिलहाल इसलिए चर्चा में है क्योकि कनाडा के हैमिल्टन शहर में 18 जनवरी को इसका खिलाफत सम्मेलन आयोजित होने जा रहा था जिसकी अनुमति कनाडा सरकार ने अंतिम समय में वापस ले। कनाडा के यह कदम सराहनीय है क्यूंकि इस सम्मलेन की अनुमति दे देने से चरमपंथी विचारों को बढ़ावा मिलता जिसका दूरगामी परिणाम पूरे विश्व को प्रभावित कर सकता था। कनाडा में, हिज्ब उत-तहरीर को अभी भी काम करने की अनुमति है, जबकि इसके चरमपंथी एजेंडे और बयानबाजी के कारण इसे यू.के., भारत, पाकिस्तान और जर्मनी जैसे देशों में प्रतिबंधित किया गया है। यह ढिलाई चरमपंथ को विफल करने और अपने बहुसांस्कृतिक सामाजिक ताने-बाने को संरक्षित करने की देश की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाती है।

हालाँकि समूह का कहना है कि वह हिंसा का विरोध करता है और इस्लामी कानून का पालन करता है, लेकिन इसका अतीत और व्यवहार इस बात को झूठलाता है।न केवल इसका अंतिम उद्देश्य - कठोर इस्लामी शरिया कानून द्वारा शासित विश्वव्यापी खिलाफत - अव्यावहारिक है, बल्कि यह राष्ट्रवाद और समकालीन लोकतांत्रिक मूल्यों के विचार के भी मूल रूप से विरोधाभासी है। खिलाफत के अपने दृष्टिकोण में, हिज्ब उत-तहरीर राष्ट्रीय संप्रभुता का विरोध करता है और एक ऐसे एकल इस्लामी राज्य के पक्ष में है जो मुस्लिम समुदायों की विविधता और उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक प्रथाओं की अनदेखी करता है।

यह समूह सार्वजनिक रूप से खिलाफत स्थापित करने के लिए मौजूदा सरकारों को उखाड़ फेंकने का आह्वान करता है, जैसा कि माजिन अब्दुल-अधीम जैसे इसके नेताओं के वीडियो में बयानबाजी से प्रदर्शित होता है। अपने धार्मिक आवरण के बावजूद, यह संदेश नागरिक जुड़ाव और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को चुनौती देता है। वैश्विक समुदाय के साथ-साथ मुस्लिम बहुसंख्यक राष्ट्र भी इन विचारधाराओं से खतरे में हैं क्योंकि इसका उद्देश्य विभाजन को बोना और स्थापित सामाजिक संरचनाओं को खत्म करना है। इस तरह के चरमपंथी आख्यानों के सबसे बड़े शिकार युवा मुसलमान हैं, जो अक्सर अपनी सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं के बीच फंसे रहते हैं।

आस्था

पवित्र चिह्न स्वस्तिक क्यों है अत्यंत शुभ?

वेदों में स्वस्तिक को सम्पूर्ण जगत का कल्याण करने और अमरत्व प्रदान करने वाला कहा गया है. वैदिक ऋषियों ने अपने आध्यात्मिक अनुभवों के आधार पर कुछ विशेष चिह्नों की रचना की है. स्वस्तिक इन चिह्नों में से ही एक है. स्वस्तिक की चार रेखाओं को चार वेद, चार पुरूषार्थ, चार आश्रम, चार लोक और चार देवों यानी ब्रह्मा, विष्णु, महेश और गणेश से तुलना की गई है.

स्वस्तिक को सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. आइए आज आपको स्वस्तिक के बारे में विस्तार से बताते हैं. धार्मिक रूप से स्वस्तिक महत्वपूर्ण है. स्वस्तिक का अर्थ होता है- कल्याण या मंगल करने वाला.

स्वस्तिक एक विशेष आकृति है. स्वस्तिक किसी शुभ या मांगलिक कार्य से पूर्व बनाया जाता है. ये भगवान गणेश का रूप भी माना जाता है. इसके प्रयोग से सम्पन्नता, समृद्धि और एकाग्रता की प्राप्ति होती है. जिस पूजा उपासना में स्वस्तिक का प्रयोग नहीं होता है, वो पूजा लम्बे समय तक अपना प्रभाव नहीं रख पाती है. स्वस्तिक को ब्रह्माण्ड का प्रतीक माना जाता है. इसके मध्य भाग को विष्णु की नाभि और चारों रेखाएं ब्रह्मा के चार मुख, चार हाथ और चार वेद माने जाते हैं. स्वस्तिक की चारों बिंदुएं चारों दिशाओं को दर्शाती हैं.

स्वस्तिक को विष्णु का आसन और लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है. स्वस्तिक के चिह्न को भाग्यवर्धक वस्तुओं में गिना जाता है. चंदन, कुमकुम और सिंदूर से बना स्वस्तिक ग्रह दोषों को दूर कर सकता है. स्वस्तिक शब्द को सु और अस्ति का मिश्रण योग माना जाता है. सु का अर्थ है शुभ और अस्ति का अर्थ है- होना. यानि शुभ हो, कल्याण हो. भारतीय संस्कृति में स्वस्तिक को मंगल प्रतीक माना जाता है. इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले स्वस्तिक का चिह्न बनाकर उसकी पूजा की जाती है. स्वस्तिक की रेखाएं और कोण बिलकुल सही होने चाहिए. भूलकर भी उलटे स्वस्तिक का निर्माण और प्रयोग ना करें.

लाल और पीले रंग के स्वस्तिक ही सर्वश्रेष्ठ होते हैं. अगर स्वस्तिक को धारण करना है तो इसके गोले के अन्दर धारण करें. लाल और नीले रंग का स्वस्तिक विशेष प्रभावशाली माना जाता है. मुख्य द्वार के दोनों तरफ लाल स्वस्तिक लगाने से वास्तु और दिशा दोष दूर होते हैं. मुख्य द्वार के ऊपर बीचों बीच नीला स्वस्तिक लगाने से घर के लोगों की सेहत ठीक रहती है.

लघुकथा

दान की सच्ची शक्ति

हरिप्रसाद एक पुराने समय के व्यक्ति थे, जिनकी आदतें और सोच बहुत मजबूत और स्थिर थी। उनका जीवन बहुत साधारण था, लेकिन उनमें एक अद्भुत खासियत थी. उनकी अपनी पुरानी शाल के प्रति अडिग मोह। यह शाल उनके लिए किसी कीमती धरोहर से कम नहीं थी। भले ही शाल में जगह-जगह छेद हो चुके थे और उसका रंग भी मटमैला हो गया था, परंतु हरिप्रसाद इसे कभी छोड़ने को तैयार नहीं थे। उनका मानना था कि यह शाल उनके जीवन के संघर्षों और यथार्थ का प्रतीक थी। एक दिन, परिवार के लोग अपनी नयी शाल खरीदकर घर लाए और जब हरिप्रसाद ने यह देखा, तो उन्होंने अपनी पुरानी शाल को और कसकर लपेट लिया।

उनके बेटे ने कहा, "पिताजी, यह शाल अब बिलकुल बेकार हो चुकी है। यह तो गरीब रघु के काम आ सकती है। वह ठंड में कष्ट भुगत रहा है, कम से कम उसे यह शाल दे दें, तो उसका कुछ भला होगा। परंतु हरिप्रसाद ने बड़े गुस्से में जवाब दिया,यह मेरी शाल है, मैं इसे नहीं छोड़ सकता। यह मेरे लिए एक यादगार है, मुझे इससे मोह है। परिवार ने बहुत समझाया, लेकिन हरिप्रसाद की जिद में कोई बदलाव नहीं आया।

सब लोग आपस में कहते, इनकी उम्र हो गई है, अब दान-पुण्य का विचार करना चाहिए, लेकिन यह शाल भी इनकी मोह माया में बंधी हुई है। अगले दिन, हरिप्रसाद को अचानक एहसास हुआ कि उन्होंने अपनी मोह की सीमा को पार कर लिया है। उन्होंने सोचा, "क्या वाकई यह पुरानी शाल मेरे जीवन का हिस्सा है या मेरा अहंकार?" फिर उन्होंने निर्णय लिया और अपने परिवार के साथ रघु के घर गए। रघु अपने पुराने कपड़ों में कड़ा ठंड झेल रहा था, लेकिन जैसे ही उसे हरिप्रसाद की शाल मिली, उसकी आँखों में आंसू थे। रघु ने शाल को

अपनी कड़ी मेहनत और संघर्ष का प्रतीक मानते हुए पहना। हरिप्रसाद ने देखा कि रघु कितनी खुशी से उस शाल में ढ़ल गया था। उस क्षण में हरिप्रसाद को समझ में आया कि असली दान वही है, जो दिल से किया जाता है।

शाल केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि एक व्यक्ति की मदद करने का माध्यम बन गई। परिवार के लोग चुपचाप यह दृश्य देख रहे थे, और हरिप्रसाद की आंखों में संतोष और शांति थी। रघु अब न केवल शाल में बल्कि आत्मविश्वास और गर्माहट से भी लहराता हुआ नजर आ रहा था। हरिप्रसाद ने महसूस किया कि मोह और संकोच छोड़ देने से ही असली खुशी मिलती है. सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि दूसरों की खुशी को साझा करने से। वह दिन था, जब हरिप्रसाद ने न केवल अपनी पुरानी शाल, बल्कि अपनी आत्मा का मोह भी छोड़ दिया।

आलेख

राकेश अचल

बोझ नहीं हैं, आशीर्वादक हैं: बुजुर्ग

मानवीय शरीर की क्षीण काया भी परिवार की मजबूत नींव के रूप में स्थान रखती है। जिस प्रकार एक पुरानी एवं मजबूत नींव मकान की विशालता का सबूत देती है। ठीक उसी तरह परिवार के वृद्धजन उस परिवार की संगठन शक्ति का उदाहरण होते है। जिन परिवारों में वृद्धों का आशीर्वाद बना रहता है, उन परिवारों की संपन्नता और सुख शांति अनुशासन की कहानी कहती दिखाई पड़ती है। परिवार के बुजुर्गों को बोझ मानने वाले अपने जीवन कर रसास्वादन सही रूप में नहीं कर पाते है। बुजुर्गों का अनुभव और उनकी संघर्ष यात्रा ही वह ताकत है, जिसके बल पर एक परिवार बुलंदी पर पहुंच सकता है। फिर वह परिवार रतन टाटा का हो या बिड़ला का, परिवार का मुखिया ही वह मार्ग दिखाता रहता है, जहां ऐश्वर्य के साथ आनंद की प्राप्ति होती रही है। वृद्धावस्था के प्रति उपेक्षा, अवमानना एवं घृणा का भाव पाश्चिक सभ्यता का ही परिचायक हो सकता है। यह बात हमेशा ध्यान में रखनी होगी कि परिवार के वृद्धजन अनदेखी की श्रेणी में नहीं आते है। बल्कि वे अनुभव की भट्ठी में तपकर सही मार्ग दिखाने वाले सच्चे और प्रेयक वर्ग से संबंध रखते है। वे व्यापक

व्यवहारिक प्रशिक्षण के बल पर परिवार के सबसे ज्यादा हितकर सदस्य होते है।

किसी भी परिवार में वृद्धों की अवहेलना या उनकी अनदेखी करना इस बात का प्रतीक है, उनकी संतानों ने शालीनता और मर्यादा का पाठ सही ढँग से नहीं पढ़ा है। बीमार वृद्ध माता-पिता अथवा किसी भी रिश्तेदारी से संबंध रखने वाले सदस्य की सेवा का अवसर उन्हें ही मिल पाता है, जो वास्तव में इसके हकदार होते है। इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि परिवारों में वृद्धों की छाया होना पुत्र पुत्रियों का बड़ा सौभाग्य सूचक होता है। इस दर्द वे ही बयां कर सकते है, जिनके माता-पिता का साया समय से पहले ही उठ गया हो। जिन माता पिता ने जन्म से लेकर आत्म निर्भर होने तक प्रौढ़ता प्राप्त करने तक बच्चों का पालन पोषण किया, प्रशिक्षण एवं शिक्षा की व्यवस्था की, उन्हें सुरक्षा कवच प्रदान किया, मार्गदर्शन दिया, कदम कदम पर सहायक के रूप में खड़े होकर संबल प्रदान किया, उनके प्रति बच्चों के मन में कृतज्ञता का पैदा न होना यही सिद्ध करता है कि वे मनुष्यता के महान गुण से वंचित रह गये है। ऐसे लोगों से अपने बच्चों से भी सेवा सुश्रूषा की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह संसार का नियम है कि आप जैसा बीजारोपण करेंगे वृक्ष वैसा ही फल प्रदान करेगा।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्थित योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेंवेटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 17 फरवरी 2025

वित्तीय संस्थाएं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं: मुख्यमंत्री फडणवीस

> सन्मित्र महिला शहरी सहकारी बैंक के रजत जयंती समारोह का शानदार आयोजन

चंद्रपुर, सुनील तायडे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। जहां वित्तीय संस्थाएं खड़ी होती हैं, वहां विकास फलता-फूलता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्रत्येक नागरिक को बैंकिंग क्षेत्र से जोड़ा है। आज भारत के प्रत्येक नागरिक के पास बैंक खाता है। इसलिए, एक डिजिटल पहचान बनाई गई है। राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि इससे नागरिकों को सीधा लाभ मिल रहा है और वित्तीय संस्थाएं देश और आम लोगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्यमंत्री प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी की ऑडिटोरियम में सन्मित्र महिला नागरिक सहकारी बैंक के रजत जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्य के आदिवासी विकास मंत्री तथा चंद्रपुर जिले के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके, विधायक सुधीर मुनगंटीवार, किशोर जोरगेवार, कीर्तिकुमार भांगड़िया, करण देवतले, देवराव भोंगले, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर, पूर्व मंत्री व बैंक निदेशक शोभा फडणवीस, अध्यक्ष डॉ. रजनी हजारे, जिलाधिकारी विनय गौड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक जॉनसन, पुलिस अधीक्षक मुम्मका सुदर्शन, नगर आयुक्त विपिन पालीवाल आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सन्मित्र महिला शहरी सहकारी बैंक ने सफलतापूर्वक 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। फडणवीस ने कहा कि, सन्मित्र महिला शहरी सहकारी बैंक विदर्भ में सहकारी क्षेत्र में अग्रणी बैंकों में से एक के रूप में जाना जाता है। महिलाएं अर्थशास्त्र को बहुत अच्छी तरह समझती हैं। बचत करना महिलाओं का स्वाभाविक गुण है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि बैंक महिलाओं के हाथ में होगा तो वह बहुत अच्छे से चलेगा। किसी बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक के कानूनों के अनुपालन में तथा एनपीए मानदंडों का उल्लंघन किए बिना चलाना बहुत महत्वपूर्ण है।

नागरिकों का सहकारी बैंकों पर विश्वास है। आम आदमी का इस बैंक से लगाव है। बैंक को भी अनुशासित तरीके से ऋण चुकाना चाहिए। आज 300 करोड़ रुपए के टर्नओवर वाले सन्मित्र बैंक का एनपीए 0.5 प्रतिशत से भी कम है, जो एक बहुत ही उत्कृष्ट उपलब्धि है और इसके लिए सभी निदेशक मंडल एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

बाद में, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों ने सहकारी क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति की है। सहकारी बैंकों ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए चुनौती पेश की है। हालांकि यह सवाल उठता है कि क्या आज के वैश्वीकरण के युग में सहकारी बैंक जीवित रहेंगे, लेकिन सन्मित्र बैंक ने इस चुनौती को अच्छे तरीके से स्वीकार किया है और सफलतापूर्वक आगे बढ़े हैं। आज इस बैंक ने कोर बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग पद्धति को अपना लिया है। सन्मित्र बैंक ने ग्राहक सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। बैंक नागरिकों को ऋण प्रदान करते हैं। इसलिए, नागरिक अपना व्यवसाय स्वयं कर रहे हैं। सन्मित्र बैंक ने भी नागरिकों को ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने इससे रोजगार का सृजन किया। इससे आर्थिक चक्र को चलने में मदद मिली। इस बैंक को और अधिक उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को सहयोग वर्ष घोषित किया है। यह खुशी की बात है कि इस वर्ष सन्मित्र महिला शहरी सहकारी बैंक की रजत जयंती मनाई जा रही है। बैंक को भविष्य में और भी मजबूत कदम उठाने चाहिए तथा 500 करोड़ रुपये, 750 करोड़ रुपये तथा 1000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार करना चाहिए। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी आशा व्यक्त की कि सन्मित्र बैंक अन्य सहकारी बैंकों के लिए आदर्श बनेगा।

इस अवसर पर राज्य के आदिवासी विकास मंत्री तथा चंद्रपुर जिले के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने कहा कि, सन्मित्र महिला शहरी सहकारी बैंक का विस्तार छह-सात जिलों तक हो चुका है और इस बैंक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस जिले के संरक्षक मंत्री के रूप में उन्होंने आश्वासन दिया कि बैंक को सदैव उनका सहयोग रहेगा।

निदेशक शोभा फडणवीस ने अपने परिचय में कहा, "मुझे बेहद खुशी है कि राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सन्मित्र महिला नागरी सहकारी बैंक के रजत जयंती समारोह में उपस्थित थे।" बैंक सफलतापूर्वक प्रगति कर रहा है और हम आगे बढ़ने के लिए दृढ़ हैं। आज, सन्मित्र बैंक की सभी शाखाओं में एटीएम, डिजिटल बैंकिंग आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे बैंक का एनपीए कम है। इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष डॉ. रजनी हजारे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 'लक्ष्य लक्षिता' नामक स्मारिका का विमोचन किया। इसके अलावा चंद्रपुर स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज को कर्मवीर कन्नमवार नामकरण करने के लिए मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कीर्ति चांदे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन माधवी तांबेकर ने दिया।

शराबबंदी की मांग को लेकर पुलिस थाने पर मोर्चा

> महिलाओं ने कोरपना थाने तक निकाला मार्च

कोरपना, मनोज गोरे

कोरपना तालुका के शेरज खुर्द की महिलाओं ने गुरुवार, 13 फरवरी को दोपहर 1 बजे गांव में शराब की अवैध बिक्री को रोकने की मांग को लेकर कोरपना पुलिस स्टेशन पर हमला बोल दिया. शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर शेरज खुर्द की महिलाओं ने कोरपना पुलिस स्टेशन पर मोर्चा निकालकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्राम पंचायत ने शराब पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया। शराब गांव में झगड़ों का प्रमुख कारण है। शेरज खुर्द की महिलाओं ने गुरुवार को गांव में शराब की अवैध बिक्री को रोकने की मांग को लेकर कोरपना पुलिस स्टेशन पर हल्ला बोल किया। महिलाओं समेत ग्रामीणों ने पुलिस को ज्ञापन दिया है कि ग्राम पंचायत ने 26 जनवरी को गांव में शराब पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। महिलाओं ने शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की, क्योंकि शराब के कारण गांव में झगड़े और पारिवारिक विवाद होते हैं। शेरज खुर्द की महिलाएं उज्ज्वला विनायक हुलके, पुष्पा मोहन उराडे, अर्चना महेश गिलबिले, अर्चना अविनाश हुलके, सुनंदा सुरेश डाकरे, यशोधरा दीपक निमसाटकर, शालिनी गिरधर कोठे, उज्ज्वला रमेश चिंचोलकर, निर्गुण भगवान राजुरकर, वंदना गणेश नींदेकर, गीता ताई जगदीश खणके, लीलाबाई नीलकंठ गाताड़े, जोशना दत्ता धावड़े, सुमनबाई जनार्दन खणके, संगीता तेजराज बुचुंडे। गांव की सरपंच अर्चना महेश गिलबिले स्वयं महिलाओं के साथ मौजूद थीं, साथ ही ग्रामीणों ने गांव में अवैध शराब पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में सरपंच और ग्राम सेवक को ज्ञापन सौंपा था। सरपंच अर्चना महेश गिलबिले और ग्राम सेवक ने सभी ग्रामीणों की उपस्थिति में एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव की एक प्रति कोरपना पुलिस स्टेशन को दी गई और एक ज्ञापन गांव के पुलिस पाटिल को दिया गया। ग्रामीणों ने खुद उन्हें सूचित किया और उन्हें पुलिस स्टेशन में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया। हालांकि, जब ग्रामीणों ने उनसे टेलीफोन पर संपर्क किया, तो पुलिस पाटिल का फोन पहुंच से बाहर दिखा रहा था। ग्रामीणों को बताया गया था कि वे पुलिस स्टेशन आएंगे, लेकिन जब वे खुद उपस्थित नहीं हुए, तो ग्रामीणों के बीच पुलिस पाटिल की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस पाटिल को सरकार की ओर से मानदेय मिलता है, लेकिन वह गांव में अवैध कारोबार की जानकारी पुलिस स्टेशन तक नहीं पहुंचाता है। ग्रामीणों ने पुलिस पाटिल पर रिश्वत लेने का सीधा आरोप लगाया। ऐसे पुलिस पाटिल का क्या फायदा जिनका गांव से कोई लेना-देना नहीं है ? गांव के ग्रामीणों और महिलाओं ने कोंकणा पुलिस स्टेशन के थानेदार राजपूत को एक ज्ञापन दिया। ग्रामीणों ने थानेदार राजपूत के समक्ष पुलिस पाटिल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की। सभी ग्रामीण इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि क्या कोरपना थाना पुलिस इस ओर ध्यान देगी और गांव में शराब की बिक्री बंद कराएगी। यहां की महिलाओं ने राय व्यक्त की कि यदि पुलिस विभाग ने शराब पर प्रतिबंध नहीं लगाया तो सभी ग्रामीण चंद्रपुर जिला पुलिस अधीक्षक के पास जाएंगे। शराब बेचने वाली महिलाएं किसी न किसी बात पर ग्रामीणों से झगड़ती रहती हैं। चूंकि शराब बेचने वाली महिलाओं से कुछ दूरी पर जिला परिषद, स्कूल, ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी और सरकारी कार्यालय स्थित हैं, इसलिए इससे छात्रों को अनावश्यक परेशानी हो रही है। इन समस्याओं से तंग आकर गांव की महिलाओं ने आखिरकार कोरपना थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग में अनुचित पक्षपात पर उठ रहे कई सवाल?

> महाराष्ट्र स्टेट गवर्नमेंट डेंटल एसोसिएशन के सरकार पर पक्षपात के गंभीर आरोप.
> 44 दंत शल्य चिकित्सकों में भारी असंतोष.
> सरकारी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल!

चंद्रपुर.

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा डॉ. संदीप पिपरे को दी गई कथित विशेष प्राथमिकता ने कई दंत शल्यचिकित्सकों में असंतोष पैदा किया है। महाराष्ट्र स्टेट गवर्नमेंट डेंटल एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि यह पक्षपात न केवल स्थापित नियमों और निष्पक्षता का मजाक उड़ाता है बल्कि सरकारी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा जब से वर्ग-2 दंत शल्यचिकित्सकों की भर्ती शुरू की गई, तब तक 2017 तक कुल 160 पेशेवर नियुक्त किए गए, जिनमें से 80-90 के पास एमडीएस डिग्री थी। 2019 में, सरकारी प्रस्ताव के तहत 16 संविदा दंत शल्यचिकित्सकों को नियमित किया गया, जिनमें डॉ. संदीप पिपरे भी शामिल थे।

नियमित किए जाने के बाद, डॉ. पिपरे की पहली नियुक्ति गढ़चिरौली जिले के उपजिला अस्पताल, कुरखेड़ा में हुई, जहां उन्होंने 8 मई 2020 को कार्यभार ग्रहण किया। लेकिन जल्द ही एक असाधारण घटनाक्रम सामने आया, जो विशेष प्राथमिकता का संकेत देता है।

नियमों के अनुसार, कोई भी दंत शल्यचिकित्सक तीन साल की स्थायी सेवा पूरी करने के बाद ही इन-सर्विस पीजी पाठ्यक्रम के लिए पात्र होता है। लेकिन डॉ. पिपरे को स्थायी सेवा में शामिल होने के सिर्फ एक साल बाद, 2021 में सरकारी दंत महाविद्यालय, नागपुर के पीरियोडोंटिक्स विभाग में इन-सर्विस एमडीएस में प्रवेश मिल गया। इस कथित पक्षपात ने उनके सहकर्मियों में नाराजगी तो पैदा की, लेकिन किसी ने औपचारिक विरोध दर्ज नहीं कराया।

2023 में इन-सर्विस एमडीएस पूरा करने के बाद, डॉ. पिपरे को नियमों के अनुसार गढ़चिरौली के कुरखेड़ा में अपनी पूर्व नियुक्ति पर लौटना था। लेकिन इसके बजाय, उन्हें उनके गृह जिले चंद्रपुर के सिविल अस्पताल में अधिकारी वर्ग-1 दंत शल्यचिकित्सक के रूप में प्रतिनियुक्त कर दिया गया। इस फैसले ने खासकर उन 160 वरिष्ठ दंत शल्यचिकित्सकों को आक्रोशित कर दिया, जिन्होंने सभी निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया था।

इस साल की शुरुआत में, डॉ. संदीप पिपरे की वरिष्ठ 44 दंत शल्यचिकित्सकों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने डॉ. संदीप पिपरे की इस प्रतिनियुक्ति की वैधता पर सवाल उठाया और इस स्पष्ट पक्षपात को लेकर अपनी निराशा व्यक्त की। लेकिन उन्हें जो जवाब मिला, वह अस्पष्ट था और इस फैसले में लागू नियमों की कोई स्पष्टता नहीं दी गई, जिससे असंतोष और गहरा हो गया।

महाराष्ट्र स्टेट गवर्नमेंट डेंटल एसोसिएशन के आला पदाधिकारियों ने डॉ. संदीप पिपरे को 160 से अधिक वरिष्ठ दंत शल्यचिकित्सकों की वरिष्ठता को नजरअंदाज कर विशेष प्राथमिकता देने का गंभीर आरोप लगाया और 44 वरिष्ठ दंत शल्यचिकित्सकों द्वारा आपत्ति जताने के बावजूद, स्वास्थ्य विभाग ने उनकी वर्ग-1 अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति रद्द करने के बजाय, केवल उनके अनुभव को वर्ग-1 दंत शल्यचिकित्सक के रूप में मान्यता देने की अनुमति को वापस ले लिया, जो कि पहले प्रतिनियुक्ति आदेश में शामिल था। महाराष्ट्र स्टेट गवर्नमेंट डेंटल एसोसिएशन ने सरकार से मांग की कि , "एक ऐसी व्यवस्था हो, जहां निष्पक्षता और समान अवसर की उम्मीद की जाती है, इस तरह के पक्षपातपूर्ण मामले न केवल समर्पित पेशेवरों को हतोत्साहित करते हैं, बल्कि सरकारी संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करते हैं। सरकार द्वारा अपने ही नियमों की अनदेखी उसकी समानता और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर संदेह पैदा करती है.

जोरगेवार की मुख्यमंत्री से चंद्रपुर को मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की मांग

चंद्रपुर. चंद्रपुर में जल्द ही एक भव्य और सर्वसुविधायुक्त मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा। यहां एक कैंसर अस्पताल का निर्माण चल रहा है, साथ ही महिलाओं के लिए 100 बिस्तरों वाला अस्पताल भी निर्माणाधीन है। इसलिए विधायक किशोर जोरगेवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है कि महाराष्ट्र मे मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने के संकल्प की पूर्ति की शुरुआत चंद्रपुर जिले से होनी चाहिए और चंद्रपुर को मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जाना चाहिए ।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस रविवार को सन्मित्र महिला सहकारी बैंक की रजत जयंती मनाने के लिए चंद्रपुर के दौरे पर थे। इस समय विधायक जोरगेवार ने उनसे मुलाकात कर यह मांग रखी। चंद्रपुर में उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं और आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का बहुत अच्छा अवसर है। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि इससे महाराष्ट्र और देश भर के मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होंगी ।

एक समाचार पत्र के कार्यक्रम में बोलते हुए, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने महाराष्ट्र को चिकित्सा पर्यटन का केंद्र बनाने का अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। इसके बाद विधायक किशोर जोरगेवार ने यह मांग की है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी सकारात्मकता दिखाई है।

चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में चंद्रपुर का दर्जा स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा। चंद्रपुर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह शहर देश के केंद्र में स्थित है। यहां सिकलसेल सहित कई बहु- विशेषज्ञ अस्पताल हैं। इन सभी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाते हुए यह स्थान राज्य के स्वास्थ्य पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभर सकता है । चिकित्सा पर्यटन में वृद्धि से अस्पतालों, दवा उद्योग , होटल , परिवहन और अन्य संबंधित सेवा क्षेत्रों को लाभ होगा ।

भावी डॉक्टरों के लिए एक महान अवसर हो सकता है। इस मेडिकल कॉलेज के माध्यम से उन्हें उचित शिक्षा प्रदान की जाएगी। विधायक किशोर जोरगेवार ने यह भी कहा कि चंद्रपुर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में होने के कारण पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी अच्छी चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं ।

छावा फिल्म को कर मुक्त करें - विधायक किशोर जोरगेवार ने मुख्यमंत्री से की मांग .

चंद्रपुरः विधायक किशोर जोरगेवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है कि मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की वीरगाथा पर आधारित फिल्म 'छावा' को महाराष्ट्र की जनता के लिए कर मुक्त किया जाना चाहिए।

फिल्म 'छावा' सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है , बल्कि लोगों को मराठा साम्राज्य की ऐतिहासिक विरासत और गौरवशाली परंपराओं से अवगत कराने के लिए भी है। इसलिए, राज्य के लोग आसानी से यह फिल्म देख सकें, इसके लिए इस पर कर माफ किया जाना चाहिए , ऐसा विधायक जोरगेवार ने कहा ।

किसान परिवार की पीढ़ियों से जमीन बचाने की लड़ाई

कोरपना. टेकाम परिवार ने तालुका के बक्कड़ी और शिव बक्कड़ी में सर्वे संख्या 126 और 127 की अपनी पुश्तैनी जमीन को बचाने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। टेकाम परिवार ने आरोप लगाया है कि जाली दस्तावेजों के आधार पर उस जमीन का स्वामित्व हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जिस पर वे तीन पीढ़ियों से खेती करते आ रहे हैं। टेकाम परिवार ने बताया कि वित्तीय कठिनाइयों के कारण भूमि हस्तांतरण पंजीकृत नहीं हो सका। हालाँकि, वास्तविक स्वामित्व हमारा है। अब तक वे इस जमीन पर खेती करके अपना गुजारा करते रहे हैं और अब कुछ दलाल फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन हड़पने की कोशिश कर रहे हैं।

टेकाम परिवार ने बताया कि जब यह विवाद अदालत में गया तो अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। इसलिए आवेदकों ने चेतावनी दी है कि वे किसी भी हालत में इस जमीन को हड़पने का प्रयास नहीं होने देंगे।

टेकाम परिवार ने आरोप लगाया है कि कुछ दलाल इस जमीन को नीलाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जमीन को बचाने के लिए अंतिम क्षण तक लड़ने का संकल्प जताया है। इस संबंध में चेतावनी दी गई है कि यदि झूठे दस्तावेजों के आधार पर जमीन हड़पने का प्रयास किया गया तो कड़ा संघर्ष किया जाएगा।

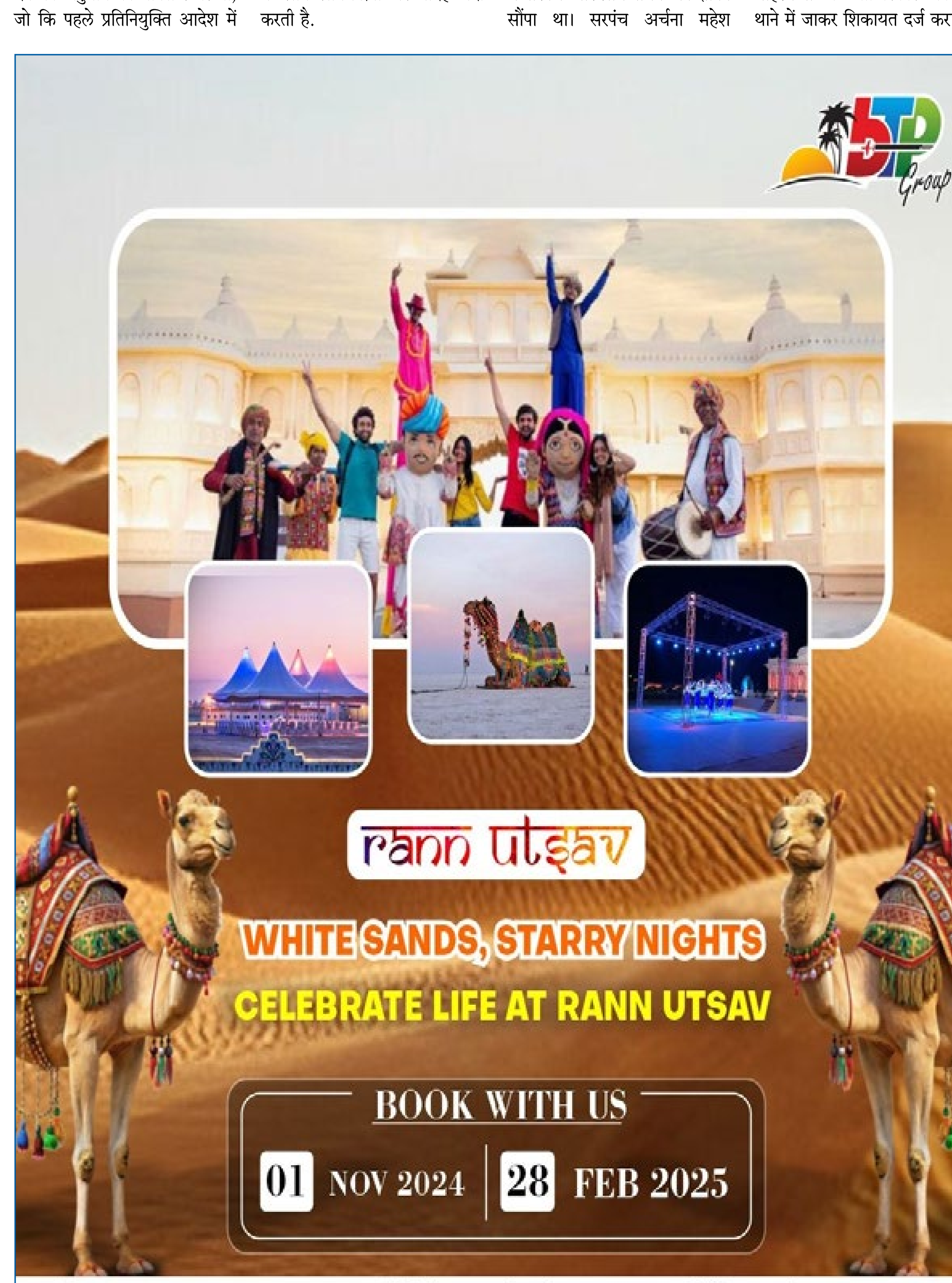

'सेक्रेड गेम्स' की एक्ट्रेस की हॉलीवुड फिल्म में हुई एंट्री

सैफ अली खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' के जरिए एलनाज नौरोजी काफी पॉपुलर हुई थीं. एलनाज को 'रणनीति: बालाकोट और बियॉन्ड' के लिए जाना जाता है. अब वो हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं. उन्होंने खुद इस बारे में जानकारी दी है.एलनाज का कहना है कि वो हॉलीवुड फिल्म 'होटल तेहरान' में नजर आएंगी. इस फिल्म ने उन्हें जाचरी लेवी और लियाम नीसन के साथ देखा जाएगा.

एलनाज ने कहा, "फिल्म 'होटल तेहरान' एक पूर्व सीआईए एजेंट के बारे में है, जो तेहरान जाता है और सरकार के बारे में कुछ खोजबीन करता है. मेरे लिए जाचरी लेवी के अपोजिट काम करना एक बिग डील है और इस फिल्म में बचपन से मेरे फेवरेट रहे लियाम नीसन भी नजर आने वाले हैं. ये फिल्म काफी रोमांचक होने वाली है."

एलनाज नौरोजी अपनी बात बढ़ाते हुए आगे कहती हैं, "इस फिल्म में काम करना मेरी जिंदगी के बेस्ट पार्ट्स में से एक है. डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और जाचरी लेवी जैसे बेहतरीन लोग हैं. मुझे इसमें काम करके काफी अच्छा महसूस हो रहा है और मुझे इस बात का बहुत आश्चर्य है कि हॉलीवुड में अभी भी इतने अच्छे लोग हैं. मेरा एक्सपीरियंस बहुत बेहतरीन था. हमें शूटिंग के वक्त लग रहा था कि ये फिल्म अच्छी रहेगी, लेकिन फिल्म तो और भी ज्यादा अच्छी निकली. फिलहाल इस फिल्म के वीएफएक्स पर काम चल रहा है और ये इस साल के अंत तक या फिर 2026 की शुरुआत में रिलीज की जा सकती है." अपने को-एक्टर जाचरी के बारे में बात करते हुए एलनाज ने कहा, "शूटिंग के बाद, हम एक साथ मिले और हमने पोकर (ताश) खेला. मैंने पहले कभी पोकर नहीं खेला था, इसलिए 'होटल तेहरान' के सेट पर मैंने जाचरी से सीखा कि पोकर कैसे खेलना है. वो एक बहुत अच्छे पोकर प्लेयर हैं." वहीं लियाम के बारे में एलनाज नौरोजी ने बताया, "जब मैं छोटी थी और एक्ट्रेस बनने का सपना देख रही थी, तब मेरी तमन्ना थी कि मैं शाहरुख खान के साथ काम करूं. लेकिन जब मैंने लियाम नीसन को देखा तो मैंने ये कभी नहीं सोचा था कि मैं उनके साथ किसी फिल्म में काम करूंगी. ये मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है."

पुष्पा 2 का गाना 'थप्पड़ मारूंगी' का आया भोजपुरी वर्जन

साल 2024 के आखिर में रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के गाने 'थप्पड़ मारूंगी' को लोगों ने बहुत पसंद किया. इस पर खूब रील्स भी बने. अब 'थप्पड़ मारूंगी' गाने को भोजपुरी में रीमेक किया गया है, जो जमकर वायरल हो रहा है. 'थप्पड़ मारूंगी' के भोजपुरी वर्जन ने आते ही यूट्यूब पर तहलका मचा दिया है.'थप्पड़ मारूंगी' के भोजपुरी वर्जन में समर सिंह और खुशबू तिवारी नजर आ रहे हैं. इसे होली की थीम पर फिल्माया गया है. अब हर साल फैन्स को भोजपुरी में होली के कोई न कोई नए गाने का इंतजार तो रहता ही है. तो बस अब होली का ये गाना जमकर धूम मचा रहा है. रिलीज होते ही इस गाने ने मिलियन्स में व्यूज बटोर लिए हैं.'पुष्पा 2' रिलीज हुई थी, तो उसके सारे गाने खूब चर्चा में रहे थे. लेकिन 'थप्पड़ मारूंगी' एक ऐसा सॉन्ग था, जो कि रिलीज होते ही वायरल हो गया था. इस गाने में श्रीलीला को काफी पसंद किया गया था. इस गाने को भोजपुरी में थोड़ा अलग तरीके से पेश किया गया है. इसमें चारों तरफ आपको, रंग और पिचकारी नजर आएगी.

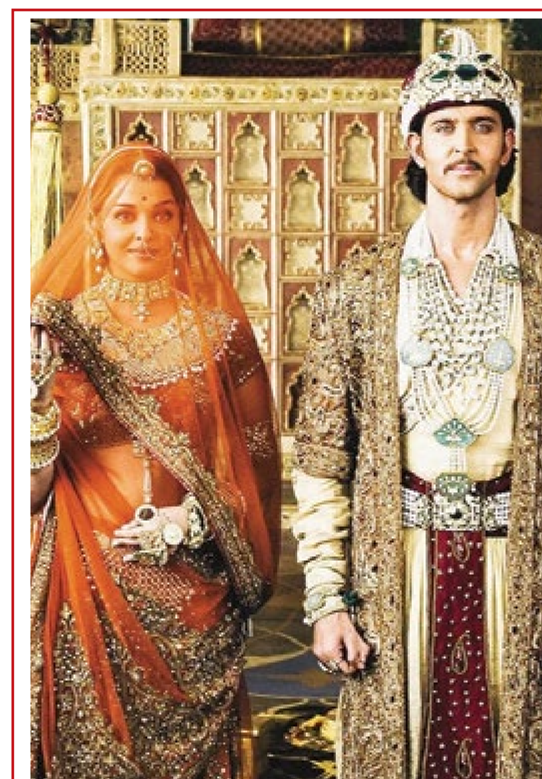

फिल्म 'जोधा अकबर' के हुए 17 साल

ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय की फिल्म 'जोधा अकबर' को फैन्स ने बहुत पसंद किया था. ये पीरियड ड्रामा फिल्म थी और इसमें ऋतिक-ऐश की जोड़ी को फैन्स का खूब प्यार मिला था. इस फिल्म को रिलीज हुए 17 साल पूरे हो गए हैं. इस खास मौके पर ऑस्कर अवॉर्ड के आयोजक 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का ऐलान किया है. मार्च में इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग होगी. आशुतोष गोवारिकर के डायरेक्शन में बनी 'जोधा अकबर' साल 2008 में रिलीज हुई थी.

ये एक ऐतिहासिक रोमांटिक फिल्म थी, जिसमें ऋतिक रोशन ने अकबर और ऐश्वर्या राय ने जोधाबाई का किरदार निभाया था. 15 फरवरी को फिल्म के 17 साल पूरे हुए हैं. फिल्म 'जोधा अकबर' की विरासत को बरकरार रखते हुए एकाडमी ने मार्च 2025 में लॉस एंजेलिस में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी है. 'जोधा अकबर' के लिए ये किसी जश्न से कम नहीं है.

फिल्म को लेकर आशुतोष गोवारिकर का कहना है, "जोधा अकबर के 17 साल पूरे होने पर मैं दर्शकों का बहुत आभारी हूं. लोगों ने इसे अपनी यादों में संजोए रखा और प्यार जताया. फिल्म की रिलीज से लेकर ऑस्कर में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग तक, इसमें शामिल सभी लोगों के शानदार काम की वजह से ये फिल्म सफल हो सकी है. फिल्म को दुनियाभर के दर्शकों का प्यार मिला है."

'जोधा अकबर' को लेकर कुछ दिन पहले भी खबर आई थी कि फिल्म में ऐश्वर्या राय ने जो लहंगा पहना था, उसे एकेडमी ने मोशन एक्जीबिशन के लिए रखा था. इस ड्रेस को मशहूर डिजाइनर नीता लुल्ला ने डिजाइन किया था.

विकी कौशल की 10 साल में 5 बेस्ट परफॉर्मेंस

कोई भी एक्टर चाहें जितना प्रमोशन कर ले. चाहें जितना पैसा किसी फिल्म पर लगा दिया जाए, लेकिन अंत में सबसे ज्यादा मैटर करती है एक्टर की परफॉर्मेंस. उसी को देखने के लिए भीड़ सिनेमाघरों में जुटती है. ये भीड़ हर कलाकार से बस ये उम्मीद लगाए होती है कि उसे एक दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिले. और जब ऐसा हो जाता है तो फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं होता है. ऐसा करने वाले कुछ कलाकार हैं भी. इन्हें मोस्ट ट्रस्टेबल आर्टिस्ट्स की श्रेणी में शामिल किया जा सकता है. पिछले 10 सालों में विकी कौशल ने तो अपनी ये छवि फैंस के बीच बना ही ली है. मेकर्स के बीच भी बना ली है. तभी तो विकी कौशल के हाथ एक और पावरफुल रोल लगा और अभी शुरुआती रुझानों में तो लोगों का ऐसा मानना है कि इस टेस्ट में भी विकी कौशल पास होते नजर आ रहे हैं. आइये एक नजर डालते हैं विकी की अब तक की 5 दमदार परफॉर्मेंस की ओर. मसान ये विकी कौशल की पहली परफॉर्मेंस थी. इस रोमांटिक-ड्रामा में विकी ने लोगों को खासा इंप्रेस किया था. और रुला भी दिया था. उनका डायलॉग 'ये दुख काहें नहीं खत्म होता' अभी भी लोग इस्तेमाल करते हैं. फिल्म में उन्होंने एक सच्चे प्रेमी का रोल प्ले किया था. उनकी प्यार की मासूमियत को ग्रहण लगता है और हालात रिश्तों को तार-तार कर देते हैं. फिल्म को विकी ने अपने कंधे पर उठाया और उनकी परफॉर्मेंस का ही नतीजा था कि लोगों के दिलों में इस फिल्म का गहरा प्रभाव पड़ा. हालांकि इस फिल्म की तो हर एक चीज परफेक्ट ही थी. उरी सर्जिकल स्ट्राइक पर जब ये फिल्म आई तो लोगों को शुरुआत में इसे लेकर ठीक-ठाक ही क्रेज देखने को मिला. लेकिन जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है इसकी पॉपुलैरिटी भी और बढ़ती जाती है. फिल्म पूरे 2 महीने तक सिनेमाघरों में लगी रहती है. इसकी कमाई थमने का नाम ही नहीं लेती है. फिल्म वर्ल्डवाइड हिट हो जाती है. विकी ने इस फिल्म में भी अपनी परफॉर्मेंस से जान फूंक दी थी. लव पर स्क्वायर फिट इस फिल्म की बात करें तो ये एक आम कपल की कहानी थी जो बड़े शहर में अपने सपनों का आशियाना बनाना चाहते थे. इस क्रम में दोनों के बीच की बॉन्डिंग और बाहरी हालातों से उनका सामना दिखाया गया था. फिल्म ओटीटी पर आई थी इसलिए इसकी चर्चा जरा कम हुई थी. लेकिन विकी कौशल की परफॉर्मेंस में इसका कोई असर नहीं पड़ा था. सरदार उधम सिंह ये रोल भी विकी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था. लेकिन विकी इसपर और खरे उतरे. ये उनकी पहली ऐसी परफॉर्मेंस थी जिसे दुनियाभर में खूब सराहा गया था. फिल्म कई सारे इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में दिखाई गई थी. इस फिल्म ने कई नेशनल अवॉर्ड्स भी अपने नाम किए थे. सैम बहादुर ये हाल-फिलहाल में आई विकी कौशल की बेस्ट फिल्मों में से एक रही है. देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानिकशॉ के रोल में उन्होंने ऐसा कमाल किया कि लोग स्क्रीन से अपनी नजरें नहीं हटा सके. मानों विकी कौशल ने सैम बहादुर की रूह ओढ़ ली हो. वे हर एक सीन में एकदम परफेक्ट थे. फिल्म ने भले ही उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं की थी लेकिन विकी का गुणगान तो हर तरफ हुआ था.

'छावा' की दहाड़ ने दूसरे दिन भी किया कमाल

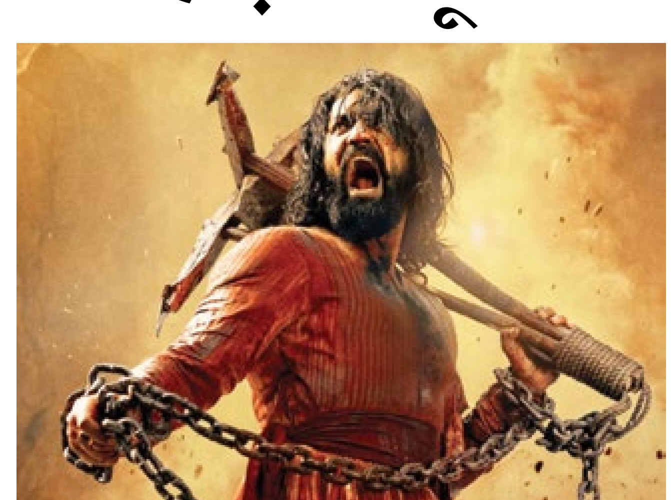

विकी कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'छावा' ने काफी धमाल मचाया हुआ है. ये फिल्म मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज की कहानी पर बनाई गई है. 'छावा' ने 14 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी है, इस फिल्म को देशभर में तो काफी प्यार मिल रहा है, लेकिन दुनियाभर में भी ये लोगों की पसंद बनती जा रही है. हालांकि, बॉलीवुड में मराठा साम्राज्य की कहानियों को दिखाने के लिए काफी सारी फिल्में बनाई गई हैं, जिनमें से विकी कौशल की इस फिल्म ने दूसरे दिन बाकी फिल्मों के मुकाबले ज्यादा अच्छी कमाई की है.

लक्ष्मण उतेकर की डायरेक्शन में बनी छावा ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है. ये फिल्म बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडस्ट्री तक की साल 2025 की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बनी है. ओपनिंग डे की कमाई की बात की जाए, तो मैडॉक फिल्म्स के मुताबिक, 'छावा' के पहले दिन कमाई का आंकड़ा 33.1 करोड़ रुपए रहा है.

वहीं दूसरे दिन भी 'छावा' का जादू बॉक्स ऑफिस पर बिखरा रहा. फिल्म ने दूसरे दिन 39.3 करोड़ रुपए (अनुमानित कमाई) की है. जिसके बाद से अभी तक फिल्म ने 72.4 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है. बॉलीवुड की बाकी मराठा फिल्मों की बात की जाए, तो इसमें संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बाजीराव मस्तानी', 'पानीपत', 'तानाजी' जैसी फिल्में शामिल हैं. इन सभी फिल्मों की दूसरे दिन की कमाई को विकी कौशल की 'छावा ने मात दे दिया है. वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें, तो सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 50 करोड़ रुपए की कमाई की है. वहीं फिल्म के कास्ट की बात करें, तो मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी 'छावा' में विकी कौशल और रश्मिका मंदाना के साथ ही अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा, डायना पेंटी, विनीत कुमार सिंह जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं. फिल्म की कहानी छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज पर बनाई गई है. जिसने केवल कुछ हजार लोगों की सेना के साथ मुगलों के शहंशाह औरंगजेब को टक्कर देकर उसे हरा दिया था.

इलियाना दोबारा बनने वाली हैं मां

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने इंस्टाग्राम पर न्यू ईयर के मौके पर एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में इलियाना ने 2024 के कुछ खास पलों की झलक शेयर की थी, जिसमें से अधिकांश तस्वीरें और क्लिप उनके पति माइकल और बेटे कोआ फीनिक्स डोलन से जुड़ी थीं। इसी वीडियो में लोगों की नजर एक्ट्रेस के 'अक्टूबर' सेगमेंट पर गई, जिसकी क्लिप में उन्हें कैमरे के सामने अपना प्रेग्नेंसी टेस्ट रिजल्ट दिखाते देखा गया। इस पोस्ट में 'प्रेग्नेंट' शब्द स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था, जिसके बाद फैंस ने ये अंदेशा लगाना शुरू कर दिया की 'बर्फी' एक्ट्रेस दोबारा मां बनने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने कुछ पुख्ता नहीं किया था। मगर अब अभिनेत्री ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की न्यूज कन्फर्म कर दी है।इलियाना डिक्रूज ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ स्नैक्स की फोटो शेयर करते हुए इस खबर की पुष्टि की कि वह दोबारा प्रेग्नेंट हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर स्नैक्स की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'मुझे बताओ कि तुम प्रेग्नेंट हो, बिना बताए कि तुम प्रेग्नेंट हो।' एक्ट्रेस के इस पोस्ट से एक बात तो साफ हो गई है कि वह दोबारा मां बनने वाली हैं। इस पोस्ट को देख इलियाना के फैंस काफी खुश हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं।

इलियाना डिक्रूज ने 2023 में माइकल डोलन से गुपचुप शादी रचाई थी।

उन्होंने किसी को इसकी जानकारी नहीं दी थी, ना ही सोशल मीडिया पर कोई तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके बाद एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी प्रेग्नेंसी न्यूज शेयर की और सबको चौंका दिया। इलियाना ने अगस्त 1, 2023 को बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने कोआ फीनिक्स डोलन रखा। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इलियाना ने फैंस को बेटे की झलक दिखाई और गुड न्यूज शेयर की।अब एक्ट्रेस दोबारा मां बनने वाली हैं, हालांकि अब तक उन्होंने इससे संबंधित कोई तस्वीर साझा नहीं की है।

दादू रणधीर के बर्थडे में पहुंची आलिया की लाडली

कपूर फैमिली ने बहुत ही धूम-धाम के साथ रणधीर कपूर का जन्मदिन सेलिब्रेट किया। पूरे कपूर परिवार के साथ-साथ कई बड़े सेलिब्रिटी रणधीर कपूर का जन्मदिन सेलिब्रेट करने पहुंचे, लेकिन जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा रही वह थीं आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की बेटी राहा की, जो सज-धजकर अपने बड़े दादू का बर्थडे मनाने पहुंचीं। इस दौरान रणबीर-आलिया की लाडली ने सफेद फ्रॉक पहनी थी, जिसमें वह बेहद क्यूट लग रही थीं।

पैपराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में नीतू कपूर कार से बाहर निकलते देखी जा सकती हैं, जबकि राह कपूर अपनी नैनी की गोद में दिखाई दे रही हैं। राहा ने व्हाइट स्नीकर्स पहने थे और सबको उत्सुकता से निहारती दिखीं। इस बीच, नीतू कपूर भी पीछे-पीछे आईं और बेज ब्लेजर और डेनिम जींस के साथ सफेद टी-शर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

रणधीर कपूर ने 15 फरवरी को अपना 78वां जन्मदिन मनाया। रणधीर कपूर के बर्थडे पर कपूर फैमिली ने बड़ी सी स्टार स्टडेड पार्टी होस्ट की, जिसमें कई सेलिब्रिटी शामिल हुए। अभिनेता के जन्मदिन पर उनकी स्टार बेटियों करीना-करिश्मा से लेकर उनकी बेस्ट फ्रेंड्स मलायका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा सहित कई सेलिब्रिटी पहुंचे। हालांकि, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इस पार्टी में नजर नहीं आए, लेकिन कपल की बेटी राहा कपूर जरूर अपनी दादी नीतू कपूर के साथ इस पार्टी का हिस्सा बनीं।

राहा और नीतू के अलावा आदर जैन की नई-नवेली दुल्हन अलेखा आडवाणी भी रणधीर कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन में शामिल हुईं। व्हाइट टॉप और ब्लू रिप्ड डैनिम में अलेखा हाथ में गिफ्ट्स लिए नजर आईं। अमृता अरोड़ा और मलाइका अरोड़ा भी इस बर्थडे बैश का हिस्सा बनीं।

ओटीटी पर छाई है सूक्ष्मादर्शिनी

अलग-अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर इस हफ्ते कई नई फिल्मों और सीरीज ने दस्तक दी। इनमें से कुछ को जहां दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है तो कई को दर्शकों ने कुछ खास पसंद नहीं किया। इस बीच ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर एक थ्रिलर फिल्म खूब तहलका मचा रही है। इस फिल्म ने करीब एक महीने पहले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दबे पांव दस्तक दी थी और अब बस इसी का जलवा है। फिल्म 11 जनवरी से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर छाई है। इससे पहले तक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बिना शोर शराबे और प्रमोशन के गर्दा उड़ा रखा था और बजट से 4 गुना कमाई हासिल की थी। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम सूक्ष्मादर्शिनी है। सूक्ष्मादर्शिनी एक ब्लैक कॉमेडी मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है।

सूक्ष्मादर्शिनी में बेसिल जोसेफ और नजरिया नाजिम फहाद जैसे कलाकार लीड रोल में हैं। ये फिल्म सिनेमाघरों में 22 नवंबर 2024 को रिलीज हुई थी,

जिसने कम समय में ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन कर सबको चौंका दिया था। अब ये फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हिंदी, तमिल, मलयालम, तेलुगू और कन्नड़ भाषा में उपलब्ध है, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

करीब 14 करोड़ के बजट में बनी सूक्ष्मादर्शिनी 2024 में रिलीज हुई एक मलयालम भाषा की ब्लैक कॉमेडी मिस्ट्री थ्रिलर है, जिसके डायरेक्टर एम सी जितिन हैं। लिबिन टीबी और अतुल रामचंद्रन इसके लेखक हैं। इस फिल्म को मेकर्स ने बिना किसी शोर-शराबे के सिनेमाघरों में रिलीज किया था और फिल्म ने देखते ही देखते दुनियाभर में 54.36 करोड़ का कलेक्शन कर लिया था। फिल्म ने भारत में 27.92 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 54.36 करोड़ का कलेक्शन किया, जिसमें 22.25 करोड़ का ओवरसीज कलेक्शन भी शामिल है।

सूक्ष्मादर्शिनी की कहानी की बात करें तो फिल्म की कहानी प्रियदर्शिनी उर्फ प्रिया के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति एंटनी और उसकी बहन कानी के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही होती है। प्रिया की पड़ोस में रहने वाली महिलाओं से भी अच्छी दोस्ती होती है,लेकिन प्रिया की जिंदगी तब उथल-पुथल हो जाती है जब उसकी हाउसिंग कॉलोनी में रहने ग्रेस बेकर्स का मालिक मैनुअल अपनी बूढ़ी मां के साथ आ जाता है।

पहले सेमीफाइनल में गुजरात का केरल से सामना

नागपुर.

चोटिल यशस्वी जायसवाल का मुंबई की टीम से बाहर रहना लगभग तय है लेकिन इसके बावजूद गत चैंपियन टीम आज से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में विदर्भ के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। पता चला है कि जायसवाल अपनी चोट के आगे के आकलन के लिए जल्द ही बेंगलुरू स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जा सकते हैं क्योंकि उन्हें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में 'टीम के साथ यात्रा नहीं करने वाले रिजर्व खिलाड़ी' के रूप में रखा गया है। जायसवाल की अनुपस्थिति किसी भी तरह से मुंबई की ताकत को कम नहीं करती हैं। यह मुकाबला पिछले साल के फाइनल की पुनरावृत्ति है जिसमें मुंबई ने विदर्भ को हराकर खिताब जीता था।

मुंबई के पास कप्तान अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और शारदुल ठाकुर जैसे कई स्टार खिलाड़ी हैं जो अपने दम पर मैच का रुख बदल सकते हैं। कुछ शानदार खिलाड़ियों की मौजूदगी से कहीं अधिक यह 42 बार की चैंपियन टीम का दृढ़ संकल्प है जो उसे एक अलग पहचान दिलाता है। मौजूदा सत्र में कई मौकों पर मुंबई का शीर्ष क्रम विफल रहा लेकिन ठाकुर और तनुश कोटियान जैसे निचले क्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रयास करते हुए टीम को संकट से निकाला। हरियाणा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में भी मुंबई ने 113 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन शम्स मुलानी और कोटियान ने आठवें विकेट के लिए 183 रन की साझेदारी करके मुंबई को जोरदार वापसी दिलाई।

मुंबई को उम्मीद होगी कि नागपुर की पिच पर बड़े खिलाड़ी एक बार फिर बड़ी पारियां खेलते हुए नजर आएंगे क्योंकि यहां की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी की अनुकूल होती है। विदर्भ के खिलाफ मुंबई अपने शीर्ष क्रम से प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की उम्मीद करेगी। दूसरी तरफ विदर्भ की टीम शानदार फॉर्म में है। उनके गेंदबाजी आक्रमण में बड़े नाम नहीं हैं लेकिन हर्ष दुबे, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे और नचिकेत भूट ने विदर्भ के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। बाएं हाथ के स्पिनर दुबे मौजूदा रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं जिन्होंने 59 विकेट चटकाए हैं।

विदर्भ की बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

विदर्भ की टीम मुंबई के शीर्ष क्रम के थोड़े डगमगाने वाले स्वभाव का फायदा उठाने और उन्हें शुरू से ही दबाव में डालने की कोशिश करेगी। मुंबई का कोई भी बल्लेबाज मौजूदा सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष 20 बल्लेबाजों की सूची में भी शामिल नहीं है। सिद्धेश लाड (565 रन) टीम के सबसे सफल बल्लेबाज हैं और वह सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में 22वें स्थान पर हैं। इसके विपरीत विदर्भ के बल्लेबाजी अच्छी फॉर्म में हैं। यश राठौड़ (728 रन) सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। करुण नायर (591) और कप्तान अक्षय वाडकर (588) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विदर्भ को हालांकि सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे और ध्रुव शौरी से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी गेंद पर दर्ज की रोमांचक की जीत

नई दिल्ली. दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने डब्ल्यूपीएल 2025 के अपने पहले मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हरा दिया। सांसें रोक देने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम ने आखिरी ओवर में जीत दर्ज की। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मैग लैनिंग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद मुंबई ने 164 रन स्कोर बनाया, जिसे दिल्ली की टीम ने शेफाली वर्मा और निकी प्रसाद की बदौलत हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम को आखिरी ओवर में जीतने के लिए 10 रनों की जरूरत थी। तब क्रीज पर राधा यादव और निकी प्रसाद मौजूद थीं। मुंबई के लिए गेंदबाजी की जिम्मेदारी एस सजना ने संभाली। उनकी पहली गेंद पर निकी ने चौका लगाया, लेकिन पांचवीं गेंद पर वह आउट हो गईं। इसके बाद दिल्ली को आखिरी गेंद पर दो रनों की जरूरत थी। इसी गेंद पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। जब अरुंधति रेड्डी ने दूसरा रन पूरा किया, तब हरमनप्रीत के थ्रो पर वह रन आउट होते-होते बच गईं। रिप्ले में देखने पर पता चला कि गेंद स्टंप पर लगने से पहले ही वह क्रीज में पहुंच गई थीं और इस तरह से दिल्ली की टीम ने मुकाबला जीत लिया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 165 रनों का टारगेट चेज करके इतिहास रच दिया है। यह डब्ल्यूपीएल में दिल्ली की टीम का हाईएस्ट सफल रन चेज है। इससे पहले डब्ल्यूपीएल में दिल्ली की टीम इतना बड़ा टारगेट चेज नहीं कर पाई थी। मुंबई के खिलाफ दिल्ली के लिए शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 43 रन और निकी प्रसाद ने 35 रन बनाए। इन प्लेयर्स की वजह से ही दिल्ली की टीम मैच जीतने में सफल रही। नेट सेवियर ब्रंट ने 80 रन की नाबाद पारी में 13 चौके लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 22 गेंद में 42 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट की साझेदारी में 40 गेंद में 73 रन जोड़े। दिल्ली के गेंदबाजों ने हालांकि शानदार वापसी करते हुए 59 रन के भीतर आठ विकेट चटकाकर मुंबई को 19.1 ओवर में 164 रन पर आउट कर दिया। पावरप्ले के छह ओवर के बाद मुंबई का स्कोर दो विकेट पर 42 रन था। एलिसे कैप्सी ने एक ओवर में 19 रन दिए। नेट सेवियर ब्रंट और हरमनप्रीत ने राधा यादव के आठवें ओवर में 18 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था।

डोप में फंसे सिनर

-नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी पर लगा 3 महीने का बैन

नई दिल्ली.

दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर पर डोप पॉजिटिव पाए जाने पर तीन महीने का बैन लगाया गया है। वर्ल्ड एंटी डोपिंग एंजेसी ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। वाडा ने कहा कि 23 वर्षीय इटालियन खिलाड़ी ने इस प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। सिनर पर यह प्रतिबंध 09 फरवरी से चार मई तक लागू होगा। हालांकि वह 19 मई से शुरू होने वाले साल के दूसरे ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

सिनर पर यह प्रतिबंध पिछले साल दो बार डोप टेस्ट में फेल होने के कारण लगा है। दरअसल, मार्च 2024 में सिनर प्रतिबंधित दवा एनाबोलिक स्टेरॉयड का सेवन करने पर दो बार डोप पॉजिटिव पाए गए थे। हालांकि इंटरनेशनल टेनिस इंटिग्रिटी एंजेसी (आइटीआइए) ने उनके ऊपर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया क्योंकि उनका मानना था कि प्रतिबंधित दवा उनके फिजियोथेरेपिस्ट की मालिश के माध्यम से अनजाने में उनके शरीर में प्रवेश कर गई थी। इसके बाद वाडा ने सिनर के प्रतिबंध के लिए खेल पंचाट न्यायालय (सीएसएस) में अपील दायर की थी।

खेल पंचाट न्यायालय में अपील करने के बाद सिनर ने वाडा के साथ बाहर ही समझौता कर लिया। इस कारण वह लंबे प्रतिबंध से बच गए। वाडा ने एक बयान में कहा, हम सिनर के इस स्पष्टीकरण को स्वीकार करते हैं कि फिजियोथेरेपिस्ट की गलती के कारण सिनर के शरीर में प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया। वाडा ने कहा, हम मानते हैं कि इटालियन खिलाड़ी का मकसद धोखा देने का नहीं था। इस दवा से उन्हें प्रदर्शन बढ़ाने वाला कोई लाभ नहीं दिया और यह सब उनकी मेडिकल टीम के सदस्यों की लापरवाही के कारण हुआ।

सिनर ने कहा,"मैंने हमेशा माना है कि मैं अपनी टीम के लिए जिम्मेदार हूं और मुझे एहसास है कि वाडा के सख्त नियम मेरे पसंदीदा खेल के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा हैं। मैं अपनी गलती मानता हूं और इस कारण मैंने वाडा के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए तीन महीने का प्रतिबंध मान लिया है।" इससे पहले रोमानियाई खिलाड़ी 2022 में प्रतिबंधित दवा लेने के कारण डोप में फंसी थीं। उनके ऊपर चार साल का प्रतिबंध लगा था। हालांकि बाद में खेल पंचाट न्यायालय ने इस घटाकर सिर्फ नौ महीने कर दिया। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी स्विटेक ने भी गलती से प्रतिबंधित दवा का सेवन कर लिया था। इसके बाद पोलैंड की खिलाड़ी पर नवंबर 2024 में एक महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया।

सनराइजर्स हैदराबाद की सीजन की शुरुआत 23 मार्च को

नई दिल्ली. गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2025 के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी। ईएसपीएन क्रिकइंफो को मिली जानकारी के मुताबिक, सीजन का उद्घाटन मैच 22 मार्च को ईडन गार्डंस में खेला जाएगा और फाइनल 25 मई को होगा। हालांकि, आईपीएल ने अभी तक आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन यह जानकारी मिली है कि पिछले सीजन की उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद अपने सीजन की शुरुआत 23 मार्च को राजस्थान रॉयल्स

के खिलाफ घरेलू मैदान में करेगी। उसी रविवार की शाम को चेन्नई सुपर किंग्स का सामना मुंबई इंडियंस से चेपॉक में हो सकता है।

आईपीएल 2025 की 10 टीमों की यह लीग 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के 12 दिन बाद शुरू होगी और इसे 12 स्थानों पर खेला जाएगा। सभी फ्रेंचाइजियों के 10 पारंपरिक घरेलू मैदानों के अलावा गुवाहाटी (राजस्थान रॉयल्स का दूसरा मैदान) और धर्मशाला (पंजाब किंग्स का दूसरा मैदान) में भी मैच आयोजित किए जाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड से नहीं जीत पाई टीम इंडिया

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब टीम इंडिया ने दो बार अपने नाम किया है. साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने ट्रॉफी उठाई थी. जबकि साल 2002 में भारत चैंपियंस ट्रॉफी का संयुक्त विजेता रहा था. टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने वाली सभी टीमों को कभी ना कभी पटखनी दी है. हालांकि भारतीय टीम एक टीम से चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं जीत पाई है और वो टीम है न्यूजीलैंड. न्यूजीलैंड को इस आईसीसी टूर्नामेंट में भारत हरा नहीं पाया है. एक बार फिर से भारत का न्यूजीलैंड से सामना होने वाला है. आइए आपको दोनों का इस टूर्नामेंट में हेड टू हेड रिकॉर्ड बताते हैं.

पहली और आखिरी बार दोनों टीमें 2000 के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में केन्या की राजधानी नैरोबी में भिड़ी थी. तब न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर खिताब पर कब्जा किया था. फाइनल में टीम इंडिया ने पहली बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 6 विकेट खोते हुए 264 रनों का स्कोर खड़ा किया था. सौरव गांगुली ने 117 रनों की शानदार पारी खेली थी. जबकि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 69 रन बनाए थे. जवाब में न्यूजीलैंड ने दो गेंद रहते 6 विकेट खोकर इस टारगेट को हासिल कर खिताब पर कब्जा कर लिया था. न्यूजीलैंड के लिए क्रिस केर्न्स ने नाबाद 102 रन बनाए थे.

कई मैचों लिए अतिरिक्त टिकटों की बिक्री का ऐलान

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस के लिए आईसीसी की ओर से गुड न्यूज आ रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने भारत के तीन ग्रुप मैचों और चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल के लिए अतिरिक्त टिकट जारी करने का ऐलान किया है। ये टिकट रविवार को भारतीय समयानुसार, दोपहर 1:30 बजे या 12 बजे (गल्फ स्टैंडर्ड टाइम) से बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। फैंस टिकट बुक कराने के लिए दिए गए समय पर आईसीसी की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

आईसीसी की ओर से जानकारी देते हुए कहा गया है कि चैंपियंस ट्रॉफी में 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पहले ग्रुप मैच के लिए अतिरिक्त टिकट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को होने वाले बड़े मुकाबले और 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए भी टिकट मिलेंगे। वहीं, 4 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले पहले सेमीफाइनल के लिए भी सीमित संख्या में टिकट उपलब्ध होंगे। जबकि 9 मार्च को खेले जाने वाले फाइनल के टिकट पहले सेमीफाइनल के बाद जारी किए जाएंगे।

बता दें ये टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान में शुरू होगा और कुल 8 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। 19 दिनों में 15 रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट 2017 के बाद पहली बार हो रहा है, जब पाकिस्तान ने भारत को हराकर पहली बार खिताब जीता था।

पाकिस्तान की कमजोरी पर आकाश चोपड़ा की टिप्पणी

नई दिल्ली. आईसीसी चैंपियंस 2025 ट्रॉफी का आगाज बुधवार 19 फरवरी से होने जा रहा है। इस बार पाकिस्तान की मेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के आधार पर खेला जाएगा। भारत के मैच दुबई में तो बाकी सभी मुकाबले पाकिस्तान में खेले जाएंगे। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान की कमजोरियों को उजागर किया है। आकाश का मानना है कि पाकिस्तान दबाव में संघर्ष करता है और यह उनकी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि पाकिस्तान टीम इसी कमजोरी के चलते पिछले दो आईसीसी टूर्नामेंटों के शुरुआती चरणों में ही बाहर हो गई थी।

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में आईसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान के हालिया प्रदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की कमजोरी आज की कमजोरी नहीं है। यह एक बारहमासी कमजोरी है। बेशक, वे चैंपियंस ट्रॉफी में डिफेंडिंग चैंपियन हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि वे दबाव में फंस जाते हैं। वे पिछले आईसीसी इवेंट टी20 वर्ल्ड कप 2024 में यूएसए से हार गए और दूसरे दौर के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए।आकाश चोपड़ा ने आगे कहा कि पाकिस्तान की टीम T20 विश्व कप 2022 में निश्चित रूप से फाइनल में पहुंची, लेकिन 2023 के वनडे विश्व कप में पूरी तरह से गायब थी। इसलिए यह एक ऐसी टीम है, जो दबाव में बस टूट जाती है। पूरी तरह से गायब हो जाती है। इसलिए आपको सहमत होना होगा कि यह पाकिस्तान की कमजोरियों में से एक है।

दरअसल, हाल के आईसीसी इवेंट में पाकिस्तान का प्रदर्शन असंगत रहा है। उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के दौरान यूएसए के खिलाफ अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे सुपर आठ में पहुंचने से भी चूक गए। वहीं, 2023 वनडे विश्व कप में वे सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए, क्योंकि न्यूजीलैंड ने फाइनल बर्थ हासिल की थी।

आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान के तीन शहरों और दुबई में आयोजित की जाएगी। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में गत विजेता के रूप में प्रवेश कर रहा है, जिसने 2017 के संस्करण में फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीता था। इस बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान अपने दबाव से संबंधित समस्याओं पर काबू पाने के साथ अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने की उम्मीद करेगा।

फिरोजा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे गुकेश

हैम्बर्ग. विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेज़ा फ़िरोज़ा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूर्नामेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ। गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को टूर्नामेंट से पहले खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों की अंतिम स्थिति के अनुसार, पहले नंबर पर विंसेंट कीमर; दूसरे पर फैबियानो कारुआना; तीसरे पर मैग्नस कार्लसन; चौथे पर जावोखिर सिंदारोव; पांचवें पर हिकारू नाकामुरा; छठे पर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव; सातवें पर अलीरेज़ा फ़िरोज़ा; आठवें पर डी गुकेश।

मुंबई इंडियंस की स्क्वाड का हिस्सा बना मैच विनर खिलाड़ी

नई दिल्ली.

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 18वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से हो सकती है, जिसको लेकर सभी 10 टीमों ने अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच मुंबई इंडियंस की टीम ने आगामी सीजन को लेकर अपने स्क्वाड में बदलाव का ऐलान किया है। दरअसल मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा अल्लाह गजनफर चोटिल होने की वजह से आगामी आईपीएल सीजन से बाहर हो गए हैं, जिसमें उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम 4 हफ्तों का समय लगेगा, ऐसे में अब मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह पर रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का ऐलान किया है।

आईपीएल 2025 के मेगा प्लेयर ऑक्शन में अफगानिस्तान टीम के 23 साल स्पिन गेंदबाज मुजीब उर रहमान को किसी भी टीम ने अपना हिस्सा बनाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। वहीं अब अल्लाह गजनफर के बाहर होने के बाद मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपना हिस्सा बनाने का फैसला किया है। मुजीब अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं जिसमें वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए घोषित की गई अफगानिस्तान की टीम का भी हिस्सा नहीं हैं। हालांकि आईपीएल के 18वें सीजन के शुरू होने से पहले मुजीब के पूरी तरह से फिट होने की उम्मीद जताई गई है। ऐसे में वह मुंबई इंडियंस की तरह से खेलने के लिए पूरे सीजन उपलब्ध रहेंगे।

मुजीब उर रहमान को लेकर बात की जाए तो उन्होंने आईपीएल में अब तक 2 टीमों की तरफ से खेला है, जिसमें आईपीएल में अपना डेब्यू पंजाब किंग्स टीम की तरफ से खेलते हुए किया था और इसके बाद वह सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा भी बने। मुजीब ने साल 2021 में आखिरी बार आईपीएल में कोई मुकाबला खेला था। अब तक मुजीब को आईपीएल में 19 मैच खेलने का मौका मिला है, जिसमें उन्होंने 19 विकेट 31.16 के औसत से हासिल किए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 27 रन देकर 3 विकेट था।

झारखंड में नई शराब नीति पर बवाल

> बदलाव नहीं किया तो कोर्ट तक जाऊंगा

झारखंड.

झारखंड में नई आबकारी नीति को लेकर बवाल मचा हुआ है। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर शराब नीति में बदलाव करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर शराब नीति को बिना किसी बदलाव के लागू किया जाता है तो वह अदालत में इसके खिलाफ जनहित याचिका दायर करेंगे। झारखंड में नई शराब नीति एक अप्रैल से लागू होनी है। इसे लेकर सरकार ने सुझाव मांगे थे। सुझाव देने की आखिरी तारीख 16 फरवरी है। इसी वजह से गिरिडीह सांसद ने अपनी आपत्ति जाहिर की है और इसमें बदलाव के लिए सुझाव भी बताए हैं।

चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा है कि नई शराब नीति में शराब माफिया के बड़े गिरोह का प्रभाव साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि मॉडल शॉप और डिपार्टमेंटल स्टोर में भी शराब बिक्री की अनुमति दे दी गई है, जो कि बेहद गलत है। झारखंड की नई शराब नीति के तहत सरकार शराब की खुदरा बिक्री बंद कर देगी। प्राइवेट दुकानदार शराब की बिक्री करेंगे। राज्य सरकार के स्वामित्ववाली कंपनी झारखंड बिवरेज कॉरपोरेशन अब सिर्फ शराब का थोक व्यापार करेगी। उत्पाद विभाग शराब दुकानों की बंदोबस्ती आवेदन आमंत्रित करेगा। इसके बाद लॉटरी के जरिए दुकानें दी जाएंगी। इसके साथ ही मॉडल शॉप, मॉल और डिपार्टमेंटल स्टोर में शराब बिक्री की अनुमति दे दी गई है। डिपार्टमेंटल स्टोर के 10 फीसदी हिस्से पर शराब बेची जा सकेगी। 50 हजार वर्ग फीट वाले मॉल में 200 वर्गफीट में शराब की दुकान खोली जा सकेगी।

महंगी होगी शराब: नई शराब नीति के तहत सभी दुकानों में लोकप्रिय ब्रांड की शराब रखना जरूरी है। हालांकि, इससे शराब की कीमतें 100 रुपये तक बढ़ जाएंगी। एक से 90 रुपये तक कीमत वाली शराब के दाम पांच रुपये बढ़ेंगे।

950 रुपये तक कीमत वाली शराब 10 रुपये महंगी होगी और 1950 रुपये तक की शराब 50 रुपये महंगी होगी। 1951 रुपये से ज्यादा कीमत वाली शराब के दाम 100 रुपये बढ़ेंगे।

मध्य प्रदेश में हवाओं ने बदला रुख, दस्तक देने लगी गर्मी

भोपाल.

मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव नजर आने लगा है। हवाओं ने अपना रुख बदल दिया है जिससे गर्मी महसूस होने लगी है। मौसम में इस बदलाव के साथ ही जहां दिन में गर्मी महसूस होती है वहीं रात में ढंडक का दौर चलता है। मौसम विभाग के अनुमानों के मुताबिक अगले तीन से चार दिनों तक मौसम शुष्क बना रह सकता है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के आगे बढ़ने के बाद ही तापमान में गिरावट आएगी। शनिवार को प्रदेश में सबसे कम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस मंडला में दर्ज किया गया। वहीं पचमढ़ी में रात का तापमान5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य के तीन शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से भी कम रहा। वहीं अधिकतम तापमान की बात करें तो रतलाम में 33.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो एक वेस्टर्न डिस्टर्वेंस पाकिस्तान के आसपास बना हुआ है। इसके असर से पश्चिम राजस्थान, दक्षिणी पंजाब एवं उससे लगे पाकिस्तान पर असर दिख रहा है। हवा का रुख दक्षिणी-पूर्वी एवं दक्षिणी-पश्चिमी बना हुई है। यह वजह है कि दिन और रात के तापमान अब बढ़ने लगे हैं।

नीतीश के जाते ही बक्सर में फूल-गमले लूटने की मची होड़

बक्सर.

बिहार के बक्सर जिले के नगर थाना क्षेत्र में एक अजीबोगरीब घटना घटी. मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए जिला अतिथि गृह के बाहर लगाए गए सैकड़ों फूलों के गमले स्थानीय लोगों ने चंद सेकंड में लूट लिए. यह दृश्य इतना तेजी से घटा कि सरकारी कर्मी और अन्य लोग कुछ समझ पाते, इसके पहले ही लोगों ने सभी गमलों को गायब कर दिया. हालांकि, मीडिया कर्मियों ने इस घटना को अपने कैमरे में कैद कर लिया.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान बक्सर को 400 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की सौगात मिली है. इन योजनाओं में सिमरी प्रखंड के दर्जनों गांवों में आर्सेनिक की समस्या से जूझ रहे 37 हजार परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए परियोजना शामिल है. इसके अलावा, बक्सर सदर प्रखंड के ऐतिहासिक रामरेखा घाट पर भी कई योजनाओं की घोषणा की गई है.

गमला लूटने की मची होड़ वीडियो में दिख रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सर्किट हाउस से बाहर निकलते ही उनके स्वागत के लिए रखे गए फूलों के गमलों पर लोग टूट पड़े. बुजुर्ग, बच्चे, पुरुष और महिलाएं सभी गमले उठाकर भागने लगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केशोपुर बहुग्रामी जलापूर्ति प्लांट का उद्घाटन किया और मनरेगा योजना के तहत बनी नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण किया. इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी दौरा किया.

अडानी सपरिवार अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचे, फूल और चादर चढ़ाई

अजमेर.

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने दरगाह अजमेर शरीफ में अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडानी और राजेश अडानी का सपरिवार स्वागत किया। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। बता दें कि गौतम अडानी को वैश्विक शांति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अदानी, अपनी पत्नी प्रीति अडानी और अपने परिवार के कुछ अन्य सदस्यों के साथ, राजस्थान में अजमेर शरीफ दरगाह गए, जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित सूफी तीर्थस्थलों में से एक है। उन्होंने दरगाह पर चादर और फूल चढ़ाए। दरगाह अजमेर शरीफ के गद्दी नशीन और चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती द्वारा 11वीं सदी के सूफी दरगाह में गौतम अडानी और प्रीति अडानी और राजेश अडानी और शिलिन अडानी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। गौतम अडानी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "सभी की समृद्धि और भलाई के लिए प्रार्थना।" पोस्ट के साथ सूफी दरगाह की उनकी यात्रा की तस्वीरें भी थीं। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अडानी परिवार के सदस्यों ने भारत के लोगों की समृद्धि और वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सूफी दरगाह का दौरा किया। इसमें कहा गया कि यह यात्रा समावेशिता, बिना शर्त प्यार, सेवा और भक्ति के आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम : जेपी नड्डा

> 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'

झज्जर.

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को झज्जर स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में 'एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025' का उद्घाटन किया. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें बड़ा सोचने के लिए प्रोत्साहित किया. उनके दूरदर्शी नेतृत्व में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' की शुरुआत की गई थी. आज, यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम है. उन्होंने बताया कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में इस मिशन को और मजबूत करते हुए 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, अब पांच लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए पात्र हैं. जे.पी. नड्डा ने कहा कि मात्र छह वर्षों में एम्स झज्जर एक विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में उभरा है, जिसने चिकित्सा उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित किए हैं. उन्होंने संकाय सदस्यों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को बधाई दी, जिनके अथक प्रयासों ने इस संस्थान को प्रतिष्ठित और उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य सेवा के केंद्र में बदल दिया है.

योजना का गरीब लोगों को मिल रहा लाभ उन्होंने कहा कि गरीब के घर में कैंसर का शब्द आते ही घर-दुकान सब बिक जाते थे. मरीज के परिजनों से कहा जाता था कि इनका ख्याल रखें. गरीब आदमी कभी यह सोच नहीं सकता था कि उसकी बाइपास सर्जरी होगी. लेकिन, आज यह सब संभव हो रहा है. 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत गरीब लोगों को लाभ मिल रहा है. इस योजना के तहत कैंसर जैसी बीमारी का इलाज भी किया जा रहा है. जे.पी. नड्डा ने कहा, "हमारी योजना अगले तीन साल में सभी जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) स्थापित करने की है, जिसमें 200 सेंटर इसी साल खोले जाएंगे.

ब्राजील जुलाई में करेगा 'ब्रिक्स' की मेजबानी

> अमेरिका से टकराव की आशंका बढ़ी

साओ पाउलो.

ब्राजील अगले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। ब्राजील की सरकार ने शनिवार को कहा कि अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन छह और सात जुलाई को रियो डी जेनेरियो में होगा। ब्राजील सरकार की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ब्राजील विकासशील अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के कार्यक्रम की अध्यक्षता करेगा और वैश्विक शासन सुधार को बढ़ावा देने तथा 'ग्लोबल साउथ' देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्रिक्स को मृत कहे जाने के बाद रियो डी जेनेरियो में यह पहला शिखर सम्मेलन होगा। ऐसे में अमेरिका और ब्रिक्स के बीच टकराव और बढ़ने की आशंका है। पिछले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने इस संगठन का दायरा बढ़ाने और ब्रिक्स की अपनी करेंसी में व्यापार करने का ऐलान करके अमेरिका को बड़ा झटका दिया था। तब से अमेरिका बौखलाया हुआ है। ट्रंप ब्रिक्स को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर वह ऐसा करेगा तो अमेरिका इतना भारी टैरिफ लगाएगा कि वह सभी देश दुनिया में व्यापार करना भूल जाएंगे। ब्रिक्स में प्रमुख रूप से ये देश हैं शामिल ब्रिक्स की स्थापना 2009 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने की थी। पिछले साल इसमें ईरान, मिस्त्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को भी शामिल किया गया।

सऊदी अरब को भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। तुर्किये, अजरबैजान और मलेशिया ने औपचारिक रूप से सदस्यता के लिए आवेदन किया है और कई अन्य देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है। ब्राजील ने कहा कि साझेदार देशों को भी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है तथा सदस्यों के बीच आम सहमति होने पर वे अन्य बैठकों में भी भाग ले सकते हैं। ट्रंप की क्या है ब्रिक्स को चेतावनी ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा ने कहा, "हम विकास, सहयोग और इन देशों के सभी लोगों के जीवन में सुधार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे।" इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने के लिए काम करते हैं तो वे उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। ब्रिक्स नेताओं ने डॉलर से स्वतंत्र वैकल्पिक भुगतान प्रणाली स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

राजस्थान में पंचायती राज उपचुनाव में बीजेपी की बंपर जीत

> जनता ने कांग्रेस को दिखाया आईना

जयपूर.

राजस्थान के पंचायती राज उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली है। बीजेपी ने पंचायत समिति सदस्य उपचुनावों में 16 में से 10 सीटों पर जीत हासिल की है। जिला परिषद की 3 में से 2 सीटों पर भी बीजेपी ने कब्जा किया है।

जनता ने कांग्रेस को दिखाया आईना: राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज उपचुनावों में जनता ने बीजेपी पर विश्वास जताकर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के की विकास की राजनीति पर मोहर लगाई है। इन नतीजों से प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है। जनता ने कांग्रेस को आइना दिखाते हुए बीजेपी पर पूर्ण विश्वास जताया है। 16 में से 10 सीटों पर बीजेपी जीती इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा की नीतियों पर विश्वास जताया है। पंचायत समिति उपचुनाव में 16 में से 10 सीटों और जिला परिषद उपचुनाव में 3 में से 2 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत यह दर्शाती है कि राजस्थान की जनता विकास की राजनीति के साथ खड़ी है। संकल्प पत्र के 50% से अधिक वादे पूरे मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने अपने एक साल के कार्यकाल में जनहित को प्राथमिकता देते हुए संकल्प पत्र के 50% से अधिक वादों को पूरा किया है। रोजगार, किसानों की आय वृद्धि, भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर, और 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश समझौते सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। जनता ने बीजेपी के प्रत्याशियों को जीताकर विकास कार्यों पर मोहर लगाई है।

हमास ने छोड़े 3 और इजरायली बंधक

> इजरायल ने 100 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा

गाजा.

हमास द्वारा गाजा युद्ध विराम के तहत शनिवार को 3 अन्य इजरायली बंधकों की रिहाई भी कर दी गई है। भारी सुरक्षा के बीच हमास ने इन इजरायली बंधकों को आजाद किया है। हमास द्वारा बंधकों को रिहा किए जाने के बाद इजरायल ने भी 100 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। हमास पहले इजरायली बंधकों को रिहा करने में आना-कानी कर रहा था। मगर इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सख्ती और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी चेतावनी के बाद हमास ने इजरायली बंधकों को छोड़ दिया है। इजरायल ने कहा है कि हमास ने उसके तीन बंधकों को रिहा कर दिया है। हमास ने इन बंधकों को गाजा पट्टी में रेडक्रॉस को सौंप दिया। सेना ने एक बयान में कहा कि रिहा किए गए तीनों लोग उसके पास हैं जिन्हें पहले अस्पताल ले जाया जाएगा। हमास चरमपंथियों ने शनिवार को तीन इजरायली पुरुष बंधकों को रिहा कर दिया। रिहा करने से पहले उनकी दक्षिणी गाजा पट्टी में भीड़ के सामने परेड कराई गई और फिर रेडक्रॉस को सौंप दिया गया। 7 अक्टूबर 2023 को हुए थे अगवा हमास द्वारा रिहा किए गए इजरायली बंधकों की पहचान 46 वर्षीय आयर हॉर्न ,36 वर्षीय सागुई डेकेल चेन और 29 वर्षीय अलेक्जेंडर (साशा) ट्रोफानोव के तौर पर हुई है। इन सभी को सात अक्टूबर 2023 को अगवा किया गया था। रिहा किए गए लोग थके प्रतीत हो रहे थे, लेकिन इनकी हालत पिछले शनिवार को रिहा किए गए तीन लोगों की तुलना में बेहतर लग रही थी।

गड्ढे में गिरने से बच्चे की हुई मौत

हैदराबाद.

हैदराबाद के संतोषनगर में एक दिल दहला देने वाली घटना देखने को मिली है। दरअसल यहां शनिवार को एक निर्माणाधीन स्थल पर पानी से भरे गड्ढे में गिर जाने से 5 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई है। बच्चे की पहचान एस जयशिवम के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक, वह अपने माता-पिता के साथ निर्माण क्षेत्र के पास ही एक छोटी सी झोपड़ी में रहता था, जहां उसके पिता चौकीदार का काम करते थे। मूल रूप से रंगा रेड्डी जिले के अमंगल का रहने वाला यह परिवार रोजगार के अवसर तलाशने के लिए हैदराबाद आया था। इस दौरान गड्ढे में गिरने से बच्चे की मौत हो गई है। दरअसल निर्माणाधीन स्थल पर खंभे लगाने के लिए गड्ढे खोदे गए थे। जिसमें पानी भर गया था। शनिवार को इसी गड्ढे में बच्चा गलती से गिर गया। स्थानीय लोगों ने बच्चे को पानी में देखा और बाहर निकाला।

आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस घटना के बाद केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। बता दें कि इससे पहले राजस्थान के कोटा में बड़ी घटना देखने को मिली है।

जयललिता की जब्त की गई संपत्ति तमिलनाडु को दिये जाने का आदेश

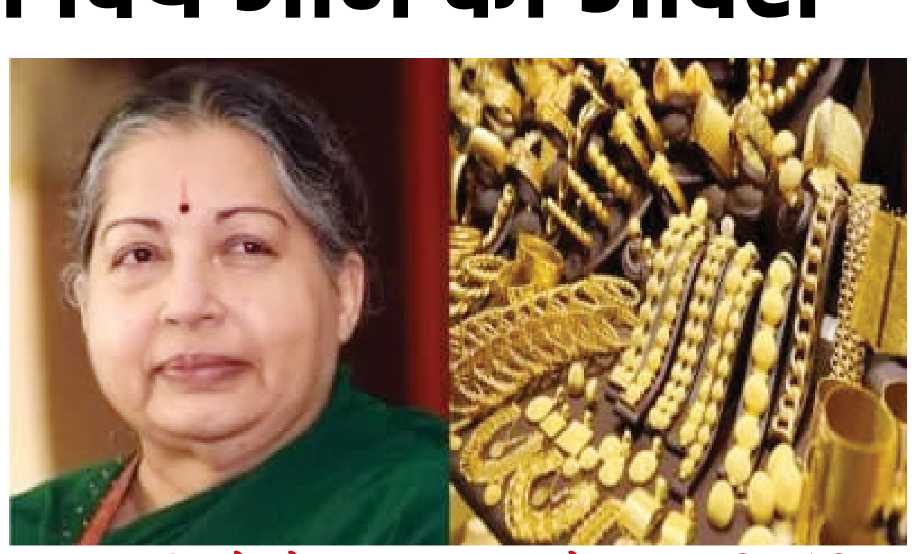

> 27 किलो सोना, 1000 KG से ज्यादा की चांदी

बेंगलुरु.

बेंगलुरु की एक विशेष सीबीआई कोर्ट ने जयललिता की संपत्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसले सुनाया है। सीबीआई कोर्ट ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता की जब्त की गई समस्त संपत्ति तमिलनाडु सरकार को हस्तांतरित करने का आदेश बुधवार को जारी किया। सोने की तलवार और एक स्वर्ण मुकुट भी बेंगलुरु कोर्ट के आदेश के एक दिन बाद जब्त की गई संपत्ति शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी गई। इसमें सोने से बनी एक तलवार और एक स्वर्ण मुकुट उन विलासितापूर्ण वस्तुओं में शामिल हैं, जिन्हें कर्नाटक के अधिकारियों ने तमिलनाडु को सौंपा है। सूची में शामिल वस्तुओं में शरीर पर मोर की आकृति वाली एक सुनहरी करधनी भी शामिल है। 1,526 एकड़ जमीन से जुड़े दस्तावेज भी शामिल अब तक कर्नाटक के अधिकारियों के हाथ में जयललिता की जब्त की गई संपत्ति का काफी खजाना था। इसमें 27 किलो 558 ग्राम सोने के आभूषण, 1,116 किलो चांदी और 1,526 एकड़ जमीन से जुड़े दस्तावेज थे। यह सारा खजाना कर्नाटक विधानसभा के खजाने में सुरक्षित रखा गया था और इसे अदालत और सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में सौंपा गया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जयललिता दोषी बता दें कि कर्नाटक हाई कोर्ट ने 13 जनवरी को जयललिता के भतीजे जे दीपक और भतीजी जे दीपा की एक याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने जयललिता के कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में संपत्ति पर दावा किया था। जयललिता को आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। निधनकेबादनहींजब्तहोनीचाहिएसंपत्ति हाई कोर्ट ने 2016 में जयललिता के निधन के बाद उनके खिलाफ कार्यवाही समाप्त हो जाने के बावजूद उनकी संपत्ति को जब्त किए जाने के फैसले को बरकरार रखा था। उनके उत्तराधिकारियों ने दलील दी थी कि जयललिता के खिलाफ मामला समाप्त होने के बाद उनकी संपत्ति जब्त नहीं होनी चाहिए। हालांकि, हाई कोर्ट ने व्यवस्था दी कि शीर्ष अदालत ने अन्य आरोपियों को दोषी करार देने के विशेष अदालत के फैसले को कायम रखा है, इसलिए संपत्ति को जब्त करना वैध है।

ट्रंप के आते ही अमेरिका और यूक्रेन में ठनी

> जेलेंस्की के इस फैसले से और बढ़ सकता है तनाव

म्यूनिख.

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आते ही यूक्रेन से ठन गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की को ट्रंप के किसी वादे, इरादे और दावे पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। लिहाजा उन्होंने कई मामलों में अमेरिका से दूरी बनानी शुरू कर दी है। हालांकि बाइडेन के शासनकाल में जेलेंस्की की अमेरिका ने सबसे ज्यादा मदद की थी। मगर अब पूरे समीकरण बदल गए हैं। इस बीच जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों तक अमेरिका की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर न करें, क्योंकि यह प्रस्ताव अमेरिकी हितों पर अत्यधिक केंद्रित है। जेलेंस्की के इस ऐलान से अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ना तय माना जा रहा है। वार्ता से परिचित एक वर्तमान और एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ जेलेंस्की की वार्ता के केंद्र में यही प्रस्ताव था। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समझौते को अस्वीकार करने के जेलेंस्की के निर्णय को फिलहाल के लिए "अदूरदर्शी" बताया। जेलेंस्की ने शनिवार को म्यूनिख में 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, "मैंने मंत्रियों को संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्देश दिया क्योंकि मेरे विचार में यह हमारी, हमारे हितों की रक्षा करने के लिए नहीं है।" यूक्रेन के खनिजों पर है अमेरिका की नजर यूक्रेन के वर्तमान और पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रस्ताव में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि अमेरिका बाइडेन प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दी गई सहायता के बदले "मुआवजे के रूप में" और भविष्य की सहायता के भुगतान के रूप में कीव के दुर्लभ खनिजों का किस तरह उपयोग कर सकता है। यूक्रेन में महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं जिनका उपयोग एयरोस्पेस, रक्षा और परमाणु उद्योगों में किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि चीन पर निर्भरता कम करने के लिए यूक्रेन के खनिजों में उसकी रुचि है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने स्पष्ट रूप से इस प्रस्ताव के बारे में कुछ नहीं बताया, लेकिन एक बयान में कहा कि "ट्रंप प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दिए गए उत्कृष्ट अवसर के बारे में राष्ट्रपति जेलेंस्की का रुख अदूरदर्शी है।